मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 246
बुधवार, 25 मार्च 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

अमेरिका-ईरान युद्ध पर संसद में संग्राम

नई दिल्ली, 24 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राज्यसभा में अपने संबोधन में पश्चिम एशिया में चल रहे अमेरिका-ईरान युद्ध से उत्पन्न चुनौतियों के लिए नागरिकों से तैयार रहने का आग्रह किया, और कहा कि ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं और मुद्रास्फीति पर इसका प्रभाव दीर्घकालिक परिणाम दे सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और इसके कारण भारत के सामने आई चुनौतियों पर राज्यसभा में वक्तव्य देते हुए कहा कि तीन सप्ताह से अधिक समय हो चुका है तथा इस युद्ध ने विश्व में गंभीर ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए भी यह स्थिति चिंताजनक है। मोदी ने कहा कि सरकार ने एक अंतर मंत्रालयी समूह बनाया है जो नियमित बैठक कर आयात-निर्यात में आने वाली बाधाओं का आकलन करता है। मोदी ने कहा कि खाड़ी के देशों में करीब एक करोड़ भारतीय रहते हैं, वहां काम करते हैं। उन्होंने कहा कि उनका जीवन एवं आजीविका भारत के लिए बहुत बड़ी चिंता का कारण है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि केंद्र सरकार के अनेक उपायों के कारण देश में किसानों की आय केवल दोगुनी ही नहीं, बल्कि तीन गुनी भी हुई है और कई कृषकों की आमदनी तो आठ गुनी तक बढ़ी है। चौहान ने तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगत राय के पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बात कही।

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने पश्चिम एशिया युद्ध का हवाला देते हुए मंगलवार को लोकसभा में दावा किया कि अगले महीने कुछ राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के चलते पेट्रोल-डीजल की कीमतें नियंत्रित रखी जा रही हैं, लेकिन इन चुनावों के खत्म होते ही देश को नई आर्थिक वास्तविकता का सामना

करना होगा।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद नवीन जिंदल ने पश्चिम एशिया में युद्ध के हालात की पृष्ठभूमि में मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने पहले भी प्रतिकूल परिस्थितियों में देश को संभाला है और इस बार भी संभालेगी। उन्होंने लोकसभा में वित्त विधेयक, 2026 पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि ह्यसबका साथ, सबका विकासह्ण सरकार का नारा नहीं, बल्कि विचारधारा है।

कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने मंगलवार को सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में सिर्फ ह्यसिलेंडर संकटह्ण नहीं, बल्कि ह्यसरेंडर संकटह्ण भी हैं जहां भारत के फैसले अमेरिका कर रहा है। उन्होंने लोकसभा में वित्त विधेयक पर चर्चा में भाग लेते हुए यह आरोप भी लगाया कि सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण देश को नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

जम्मू कश्मीर के बारामूला संसदीय क्षेत्र से निर्दलीय सांसद अब्दुल रशीद शेख ने मंगलवार को घोषणा की कि वह अपने एक महीने का वेतन ईरान के उस स्कूल को दान करेंगे जिस पर हमले में 100 से अधिक बच्चियों की मौत हो गई थी। शेख ने लोकसभा में वित्त विधेयक, 2026 पर चर्चा में भाग लेते हुए ईरान और अमेरिका-इजराइल के युद्ध का जिक्र किया और कहा कि सरकार को इस समय ईरान के साथ खड़ा रहना चाहिए। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार को कहा कि देशभर में 18,646 जन औषधि केंद्र संचालित हो रहे हैं, जो लोगों को किफायती दरों पर जेनेरिक दवाएं उपलब्ध करा रहे हैं। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों के उत्तर में नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना की शुरूआत 2008 में संप्रग सरकार ने की थी, लेकिन वर्ष 2014 तक केवल 80 जन औषधि केंद्र ही खोले गए थे।

एआईएडीएमके का मिशन 2026: पलानीस्वामी ने जारी किया घोषणापत्र

चेन्नई, 24 मार्च। मंगलवार को चेन्नई स्थित पार्टी मुख्यालय में एआईएडीएमके प्रमुख एडप्पाडी के पलानीस्वामी ने आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी किया। इसमें विपक्षी पार्टी द्वारा राज्य में सत्ता पुनः प्राप्त करने के प्रयास में प्रमुख वादों और नीतिगत प्राथमिकताओं की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है। अपने चुनावी वादों को आगे बढ़ाते हुए, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम ने कहा कि वह चावल राशन कार्ड धारक महिला परिवार प्रमुखों को मुफ्त रेफ्रिजरेटर प्रदान करेगी, जो राज्य भर के परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण कल्याणकारी उपाय है।

घोषणापत्र जारी करते हुए, पलानीस्वामी ने सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम पर तीखा हमला करते हुए सरकार पर चेन्नई में कमीशन, वसूली और भ्रष्टाचार का शासन चलाने का आरोप लगाया।

उन्होंने आरोप लगाया कि डीएमके के शासनकाल में भ्रष्टाचार एक व्यवस्थित समस्या बन गया था। घोषणापत्र में बैंकों से लिए गए शिक्षा ऋणों को माफ करने का भी वादा किया गया है, जिसका उद्देश्य राज्य भर के छात्रों और युवा स्नातकों पर वित्तीय बोझ को कम करना है। इसके अलावा, पार्टी ने आश्वासन दिया कि बुजुर्गों और अन्य लाभार्थियों के लिए सामाजिक सुरक्षा पेंशन बढ़ाकर 2,000 रुपये कर दी जाएगी।

अन्नाद्रमुक ने अपने चुनावी घोषणापत्र में, चावल राशन कार्ड रखने वाले परिवार की महिला प्रमुखों को मुफ्त रेफ्रिजरेटर देने का वादा किया। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव ई. के. पलानीस्वामी 25 मार्च से तीन दिनों तक चेन्नई और उसके आसपास के इलाकों में चुनाव प्रचार करेंगे। पार्टी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अन्नाद्रमुक ने बताया कि पलानीस्वामी बुधवार को चेन्नई के मायलापुर में भी चुनाव प्रचार करेंगे। अन्नाद्रमुक ने बताया कि पलानीस्वामी 27 मार्च को अलंदूर और उपनगरीय तांबरम में क्रमशः अन्नाद्रमुक और उसके सहयोगियों के लिए वोट मांगेंगे।

भारत की विदेश नीति कमजोर हो गई है: राहुल गांधी

नई दिल्ली, 24 मार्च। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पश्चिम एशिया संकट पर संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणियों पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि भारत की विदेश नीति कमजोर हो गई है और एक व्यक्तिगत नीति बनकर रह गई है। संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए गांधी ने दावा किया कि अगर प्रधानमंत्री की छवि खराब है, तो हमारी विदेश नीति भी खराब है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि भारत का कूटनीतिक रुख मोदी की निजी विदेश नीति में बदल गया है और कहा कि हर कोई इसे एक मजाक समझता है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए उन पर बढ़ते वैश्विक संकट के बीच भारत की विदेश नीति से समझौता करने का आरोप लगाया। गांधी ने आरोप लगाया कि भारत की कूटनीतिक स्थिति अब स्वतंत्र नहीं रही और

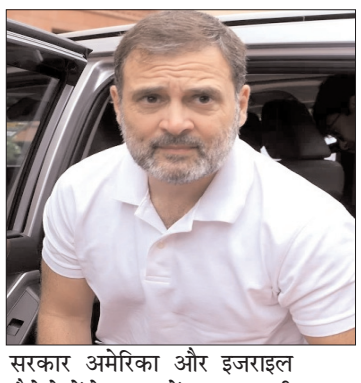

सरकार अमेरिका और इजराइल जैसे देशों के प्रभाव में काम कर रही है।

गांधी ने अपनी आलोचना को वैश्विक धारणाओं से जोड़ते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भली-भांति पता है कि मोदी क्या कर सकते हैं और क्या नहीं कर सकते। उन्होंने अपने इस आरोप को दोहराया कि सर्वोच्च स्तर पर निर्णय लेने की प्रक्रिया स्वतंत्र नहीं है, और जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री वही करेंगे जो अमेरिका और इजराइल कहेंगे। वे भारत और उसके किसानों के हित में काम नहीं करेंगे।

विपक्ष के नेता ने पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के संदर्भ में संसद को संबोधित करते हुए मोदी द्वारा कोविड-19 महामारी का जिक्र करने पर भी आपत्ति जताई। गांधी ने कहा कि कल उन्होंने एक अप्रासंगिक भाषण दिया। वे भारत के प्रधानमंत्री हैं, उन्हें भारत के प्रधानमंत्री के रूप में ही व्यवहार करना चाहिए, उनका कोई पद नहीं है। महामारी के दौरान झेली गई कठिनाइयों का जिक्र करते हुए गांधी ने कहा, ह्मोदी जी ने कहा कि कोविड जैसा समय आने वाला है। वे भूल गए हैं कि तब क्या हुआ था, कितने लोग मरे थे और किस तरह की त्रासदी घटी थी।ह्न उन्होंने सुझाव दिया कि मौजूदा हालात में महामारी का जिक्र करना असंवेदनशीलता और समझ की कमी दर्शाता है।

जो व्यक्ति हिन्दू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म को अपनाता है, उसे अनुसूचित जाति का दर्जा नहीं मिल सकता: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 24 मार्च। सर्वोच्च न्यायालय ने एक स्पष्ट और कड़ा फैसला सुनाते हुए कहा है कि जो व्यक्ति हिन्दू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म को अपनाता है, उसे अनुसूचित जाति का दर्जा नहीं मिल सकता। यानि कोई दलित व्यक्ति यदि ईसाई या मुसलमान बन जाता है तो वह अपने अनुसूचित जाति के दर्जे को खो देगा। इस तरह सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने धर्म परिवर्तन और आरक्षण के अधिकार के बीच की बहस को फिर से केंद्र में ला खड़ा किया है। हम आपको बता दें कि सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने साफ किया है कि संविधान के अनुसूचित जाति आदेश 1950 के तहत यह व्यवस्था पूरी तरह स्पष्ट है और इसमें किसी भी तरह की छूट या अपवाद की गुंजाइश नहीं है। अदालत ने कहा कि जैसे ही कोई व्यक्ति निर्दिष्ट धर्मों के अलावा किसी अन्य धर्म को स्वीकार करता है, वैसे ही उसका अनुसूचित जाति का दर्जा स्वतः समाप्त हो जाता है, चाहे उसका जन्म किसी भी जाति में हुआ हो।

हम आपको बता दें कि यह फैसला आंध्र प्रदेश के एक मामले में आया, जिसमें एक व्यक्ति ने ईसाई धर्म अपना लिया था और वह पादरी के रूप में कार्य कर रहा था। इसके बावजूद उसने अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण कानून के तहत शिकायत दर्ज कराई थी। आरोपियों ने इस पर सवाल उठाते हुए कहा कि धर्म परिवर्तन के बाद वह इस कानून के तहत संरक्षण पाने

का अधिकारी नहीं रह जाता। अदालत ने मामले की गहराई से जांच करते हुए पाया कि शिकायतकर्ता पिछले एक दशक से अधिक समय से ईसाई धर्म का पालन कर रहा था और नियमित रूप से प्रार्थना सभाएं आयोजित कर रहा था। साथ ही, उसके पुनः अपने मूल धर्म में लौटने या अपनी जाति में पुनः स्वीकार किए जाने का कोई प्रमाण भी सामने नहीं आया। इसी आधार पर अदालत ने यह निष्कर्ष निकाला कि ईसाई धर्म में जाति व्यवस्था का कोई स्थान नहीं है, इसलिए इस धर्म को मानने वाला व्यक्ति अनुसूचित जाति से जुड़े किसी भी कानूनी संरक्षण या अधिकार का दावा नहीं कर सकता। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल जाति प्रमाण पत्र होना या उसका रद्द न होना, किसी व्यक्ति को अनुसूचित जाति के लाभ लेने का अधिकार नहीं देता।

देखा जाये तो यह फैसला केवल एक कानूनी निर्णय नहीं है बल्कि इसके व्यापक सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव भी सामने आएंगे। सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या धर्म परिवर्तन करने वाले दलित समुदाय के लोग अब अपने आरक्षण के अधिकार खो देंगे? साथ ही इस फैसले से यह स्पष्ट हो गया है कि धर्म और जाति आधारित लाभ एक साथ नहीं चल सकते।

बीजेपी कर रही जदयू को खत्म करने की साजिश: तेजस्वी यादव

पटना, 24 मार्च। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जब से यह सरकार सत्ता में आई है, आम नागरिकों और गरीबों को परेशानी झेलनी पड़ी है। नोटबंदी के दौरान, कोविड के दौरान और अब गैस की कमी के समय आपने इसे देखा ही होगा। इसका मतलब है कि सरकार पूरी तरह विफल हो गई है। सरकार का काम यह सुनिश्चित करना है कि जनता को कोई परेशानी न हो। अगर कमी है, तो आपने क्या व्यवस्था की है? आपने ऐसी क्या रणनीति बनाई है जिससे हमारे आम नागरिकों को असुविधा न हो?

तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री राज्यसभा जाना नहीं चाहते थे। उन्हें जबरदस्ती राज्यसभा भेजा जा रहा है। हम शुरू से कहते आ रहे हैं कि भाजपा जनता दल यूनाइटेड को खत्म करना चाहती है। हम सिर्फ इतना कहेंगे कि मुख्यमंत्री

राष्ट्रपति बन गए हैं, लेकिन मुख्यमंत्री के फैसले अंतिम नहीं होते। मुख्यमंत्री का चेहरा सामने रखकर जनता दल यूनाइटेड के कुछ लोग खुद फैसले लेते हैं। उन्होंने भाजपा के साथ जनता दल यूनाइटेड को खत्म करने का समझौता किया है। वे इसी काम में लगे हुए हैं।

दूसरी ओर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार को जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुन लिये गए, क्योंकि पार्टी के शीर्ष पद के लिए किसी अन्य उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया। नीतीश दिसंबर 2023 में लोकसभा चुनाव से पहले ललन सिंह के जद(यू) अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद से ही पार्टी के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे।

अखिलेश यादव का बीजेपी सरकार पर डबल अटैक

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने एलपीजी मुद्दे पर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए इसे लपाता गैस करार दिया। पश्चिम एशिया संघर्ष पर भारत के कूटनीतिक दृष्टिकोण पर बोलते हुए यादव ने कहा कि भाजपा का उद्देश्य जनता को गुमराह करना है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता ने एलपीजी को नया नाम दिया है: लपाता गैस... अगर वे युद्ध शुरू होने से ठीक पहले ईरान और अमेरिका को समझाने में सफल हो जाते, तो न तो ईरान को इतना नुकसान होता और न ही इतनी जानें जातीं... लेकिन ये अजीब लोग हैं जो हर अवसर को बर्बाद कर देते हैं।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L.T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW
SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
Std. XI & XII (Sci.)
NEET
JEE (Main & Advance)
MHT-CET
Polytechnic & Engg
Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

रामनवमी– 26 मार्च, 2026

मयार्दा, सुशासन और शांति के विश्वनायक श्रीराम

–ललित गर्ग

रामनवमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के नैतिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का पुण्य और पवित्र अवसर है। आज जब दुनिया युद्ध, हिंसा, आतंक, असहिष्णुता, पारिवारिक विघटन, राजनीतिक अविश्वास और नैतिक पतन जैसी अनेक समस्याओं से जूझ रही है, तब मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम का जीवन-दर्शन केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि मानव समाज और विश्व-राजनीति के लिये मार्गदर्शन का स्रोत बन सकता है। श्रीराम का जीवन केवल एक धार्मिक आख्यान नहीं है, बल्कि वह शासन, समाज, परिवार, युद्ध, कूटनीति, न्याय और मानव संबंधों का एक संपूर्ण दर्शन है, जिसे आधुनिक संदर्भों में पुनर्पाठ की आवश्यकता है। श्रीराम का सम्पूर्ण जीवन विलक्षणताओं एवं विशेषताओं से ओतप्रोत है, प्रेरणादायी है। उन्हें अपने जीवन की खुशियों से बढकर लोक जीवन की चिंता थी, तभी उन्होंने अनेक तरह के त्याग के उदाहरण प्रस्तुत किये। राजा के इन्हीं आदर्शों के कारण ही भारत में रामराज्य की आज तक कल्पना की जाती रही है। श्रीराम के बिना भारतीय समाज की कल्पना संभव नहीं है। अब श्रीराम मन्दिर के रूप में एक शक्ति एवं सिद्धि स्थल बन गया है, जो रामराज्य के सुदीर्घ काल के सपने को आकार देने का सशक्त एवं सकारात्मक वातावरण भी बनेगा। श्रीराम मंदिर जीवनमूल्यों की महक एवं प्रयोगशाला के रूप में उभरेगा। क्योंकि श्रीराम का चरित्र ही ऐसा है जिससे न केवल भारत बल्कि दुनिया में शांति, अहिंसा, अयुद्ध, साम्प्रदायिक सौहार्द एवं अमन का साम्राज्य स्थापित होगा। ईरान-इजरायल एवं यूक्रे-रूस के बीच चल रहा युद्ध एवं इस परिप्रेक्ष्य में विश्वयुद्ध की संभावनाओं को देखते हुए श्रीराम के जीवन आदर्शों को विश्व व्यापी बनाने की अपेक्षा है, ताकि दुनिया शांति एवं चैन से जी सके। श्रीराम का जीवन हमें सबसे पहले मयार्दा का संदेश देता है। आधुनिक विश्व की सबसे बड़ी समस्या मयार्दा का संकट है-राजनीति में मयार्दा नहीं, समाज में मयार्दा नहीं, परिवार में मयार्दा नहीं और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में भी मयार्दा नहीं। श्रीराम का जीवन बताता है कि शक्ति से अधिक महत्वपूर्ण मयार्दा होती है। उन्होंने सामर्थ्य होते हुए भी राज्य के लिये संघर्ष नहीं किया, बल्कि पिता की आज्ञा और समाज की मयार्दा को सर्वोच्च माना। आज यदि विश्व राजनीति में मयार्दा और नैतिकता का समावेश हो जाये, तो अनेक युद्ध स्वतः समाप्त हो सकते हैं। राष्ट्र यदि केवल शक्ति और विस्तारवाद की नीति छोड़कर मयार्दा और न्याय की नीति अपनाएं, तो विश्व शांति संभव हो सकती है। आज दुनिया के अनेक युद्ध चाहे वह रूस-यूक्रेन युद्ध हो, मध्य-पूर्व के संघर्ष हों या अन्य क्षेत्रीय युद्ध-इन सबके मूल में अहंकार, विस्तारवाद, संसाधनों पर अधिकार और वैचारिक वर्चस्व की लड़ाई है। श्रीराम का युद्ध दर्शन इससे बिल्कुल भिन्न था। उन्होंने कभी युद्ध को लक्ष्य नहीं बनाया, बल्कि युद्ध उनके लिये अंतिम विकल्प था। उन्होंने पहले संवाद किया, फिर दूत भेजा, फिर समझौते का प्रयास किया और अंत में जब सभी रास्ते बंद हो गये तब युद्ध किया। यह युद्ध नीति आज के अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिये एक आदर्श मॉडल हो सकती है-पहले संवाद, फिर कूटनीति, फिर प्रतिबंध और अंत में युद्ध। आधुनिक विश्व यदि इस क्रम को स्वीकार कर ले, तो युद्धों की संख्या कम हो सकती है।

श्रीराम का जीवन सुशासन का भी आदर्श प्रस्तुत करता है, जिसे आज ह्लरामराज्यह्व के रूप में जाना जाता है। रामराज्य का अर्थ केवल धार्मिक राज्य नहीं, बल्कि न्याय, समानता, सुरक्षा, समृद्धि और नैतिक शासन व्यवस्था है। रामराज्य में राजा और प्रजा के बीच दूरी नहीं थी, शासन उत्तरदायी था, न्याय त्वरित था, समाज में भय नहीं था और आर्थिक असमानता अत्यधिक नहीं थी। आज लोकतंत्र होने के बावजूद जनता और शासन के बीच दूरी बढ़ती जा रही है, राजनीति सेवा से अधिक सत्ता का माध्यम बनती जा रही है। श्रीराम का शासन हमें बताता है कि शासन का उद्देश्य सत्ता नहीं, सेवा होना चाहिए। आधुनिक लोकतंत्र यदि रामराज्य की अवधारणा से प्रेरणा ले, तो लोकतंत्र अधिक मानवीय और उत्तरदायी बन सकता है। श्रीराम का जीवन पारिवारिक मूल्यों का भी अद्भुत उदाहरण है। आज दुनिया में परिवार टूट रहे हैं, पीढ़ियों के बीच संवाद समाप्त हो रहा है, रिश्ते स्वार्थ पर आधारित होते जा रहे हैं। श्रीराम ने पुत्र के रूप में आदर्श प्रस्तुत किया, भाई के रूप में आदर्श प्रस्तुत किया, पति के रूप में आदर्श प्रस्तुत किया और मित्र के रूप में भी आदर्श प्रस्तुत किया। भरत और राम का संबंध त्याग और प्रेम का सर्वोच्च उदाहरण है। आज यदि परिवारों में अधिकार की जगह कर्तव्य और स्वार्थ की जगह त्याग की भावना आ जाये, तो समाज की आधी समस्याएं समाप्त हो सकती हैं।

श्रीराम ने मयार्दा के पालन के लिए राज्य, मित्र, माता-पिता, यहां तक कि पत्नी का भी साथ छोड़ा। इनका परिवार, आदर्श भारतीय परिवार का प्रतिनिधित्व करता है। श्रीराम रघुकुल में जन्मे थे, जिसकी परम्परा प्रान जाहुं बरु बचनु न जाई की थी। श्रीराम हमारी अनंत मयार्दाओं के प्रतीक पुरुष हैं इसलिए उन्हें मयार्दा पुरुषोत्तम के नाम से पुकारा जाता है। हमारी संस्कृति में ऐसा कोई दूसरा चरित्र नहीं है जो श्रीराम के समान मर्यादित, धीर-वीर, न्यायप्रिय और प्रशांत हो। वाल्मीकि के श्रीराम लौकिक जीवन की मयार्दाओं का निर्वाह करने वाले वीर पुरुष हैं। उन्होंने लंका के अत्याचारी राजा रावण का वध किया और लोक धर्म की पुनःस्थापना की। लेकिन वे नील गगन में दैदीप्यमान सूर्य के समान दाहक शक्ति से संपन्न, महासमुद्र की तरह गंभीर तथा पृथ्वी की तरह क्षमाशील भी हैं। वे दुराचारियों, यज्ञ विध्वंसक राक्षसों, अत्याचारियों का नाश कर लौकिक मयार्दाओं की स्थापना करके आदर्श समाज की संरचना के लिए ही जन्म लेते हैं। आज ऐसे ही स्वस्थ समाज निर्माण की जरूरत है। सामाजिक दृष्टि से भी श्रीराम का जीवन अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने समाज के सबसे निम्न माने जाने वाले लोगों को भी सम्मान दिया। केवट, शबरी, जटायु, सुग्रीव, हनुमान-ये सभी समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि थे। श्रीराम ने सभी को साथ लेकर संघर्ष किया और विजय प्राप्त की। यह सामाजिक समरसता का अद्भुत उदाहरण है। आधुनिक राष्ट्र निर्माण में भी यही सिद्धांत लागू होता है कि समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर ही राष्ट्र शक्तिशाली बन सकता है। केवल आर्थिक विकास से राष्ट्र महान नहीं बनता, सामाजिक समरसता और नैतिक एकता से राष्ट्र महान बनता है। श्रीराम हमारे कण-कण में समाये हैं, हमारी जीवनशैली का अभिन्न अंग हैं। श्रीराम का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि एक आदर्श राष्ट्र केवल सेना और अर्थव्यवस्था से नहीं बनता, बल्कि चरित्र से बनता है। यदि नागरिक चरित्रवान होंगे, तो राष्ट्र स्वतः शक्तिशाली होगा। आज राष्ट्र शक्ति का अर्थ केवल सैन्य शक्ति और आर्थिक शक्ति माना जाता है, जबकि श्रीराम का जीवन बताता है कि नैतिक शक्ति सबसे बड़ी शक्ति होती है। रावण के पास अधिक सेना, अधिक धन, अधिक विद्या और अधिक शक्ति थी, फिर भी उसकी हार हुई क्योंकि उसके पास नैतिक शक्ति नहीं थी। यह आज के विश्व के लिये बहुत बड़ा संदेश है। आज जब दुनिया अस्तित्व के संकट, पर्यावरण संकट, युद्ध संकट और नैतिक संकट से जूझ रही है, तब श्रीराम का जीवन मानवता को संतुलन का संदेश देता है-शक्ति और शांति का संतुलन, अधिकार और कर्तव्य का संतुलन, भोग और त्याग का संतुलन, राज्य और समाज का संतुलन, परिवार और व्यक्तिगत जीवन का संतुलन। यही संतुलन ही मानव सभ्यता को बचा सकता है।

रामनवमी का पर्व हमें केवल पूजा करने का संदेश नहीं देता, बल्कि श्रीराम के जीवन को अपने जीवन, समाज और राष्ट्र की नीति में उतारने का संदेश देता है। यदि विश्व राजनीति श्रीराम की युद्ध नीति से प्रेरणा ले, यदि लोकतंत्र श्रीराम के सुशासन से प्रेरणा ले, यदि परिवार श्रीराम के पारिवारिक मूल्यों से प्रेरणा ले और यदि समाज श्रीराम की समरसता की भावना से प्रेरणा ले, तो एक आदर्श समाज और आदर्श राष्ट्र की कल्पना साकार हो सकती है। आज आवश्यकता इस बात की नहीं है कि हम केवल मंदिर बनाएं, बल्कि आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने भीतर राम का निर्माण करें। जब व्यक्ति के भीतर राम जन्म लेगा, तभी समाज में रामराज्य आएगा। राम केवल इतिहास नहीं हैं, राम केवल आस्था नहीं हैं, राम मानव सभ्यता के नैतिक भविष्य का नाम हैं। यही रामनवमी का वास्तविक संदेश है।

आसाम में JMM ने बन्द किए कांग्रेस के लिए दरवाजे

अशोक भाटिया

आखिरकार अंतिम समय में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने असम में 21 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला लिया है। पार्टी ने कांग्रेस से गठबंधन की कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिली। कांग्रेस झामुमो को 7 सीट से अधिक देने को तैयार नहीं हुई। कांग्रेस को पता है कि असम में झामुमो की कोई खास पकड़ नहीं है। इसलिए उसने 7 सीटों से अधिक देना उचित नहीं समझा। दोनों तरफ से बारगेनिंग हुई। लेकिन बात नहीं बनी। यह स्वाभाविक राजनीतिक स्थिति है कि जिस राज्य में जिस पार्टी का दबदबा रहता है वह अपने हिसाब से गठबंधन करती है और सहयोगी दलों को सीट देती है।

असम विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के निर्णय पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा है कि इस निर्णय से राज्य में आदिवासी मतों का बिखराव होगा। झामुमो ने सोमवार को 126 सदस्यों वाली असम विधानसभा के लिए 21 उम्मीदवारों की घोषणा की है।केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने असम विधानसभा चुनाव में झामुमो के साथ गठबंधन को लेकर गंभीर एवं सकारात्मक पहल की थी। झामुमो को पांच से सात सीटों का प्रस्ताव भी दिया गया था।

यह भी आश्वासन दिया गया था कि जिन सीटों पर झामुमो चुनाव लड़ेगा, वहां वहां कांग्रेस का पूरा संगठनात्मक समर्थन रहेगा। कांग्रेस की मंशा स्पष्ट रूप से यह थी कि झामुमो के प्रतिनिधि असम विधानसभा में पहुंचे। लेकिन, झामुमो ने स्थानीय दलों के सहयोग को लेकर 21 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। कमलेश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी असम में झामुमो के चुनावी नतीजे के बारे में कोई अंदाजा नहीं लगाना चाहती, लेकिन हमें चिंता है कि झामुमो को यह फैसला आदिवासी वोटों को बांट सकता है। ऐसे में पार्टी ने अब अकेले चुनाव मैदान में उतरने का फैसला लिया है। झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पार्टी 19 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी, जबकि एक सीट भाकपा माले के लिए छोड़ी गई है। नामांकन की अंतिम तिथि कल ही होने के कारण पार्टी ने तेजी से रणनीति को अंतिम रूप दे दिया है।

काफी समय से कयास लगाए जा रहे थे कि विपक्षी दल एक मजबूत गठबंधन के साथ बीजेपी के सामने खड़े होंगे। इसी सिलसिले में रांची से लेकर दिल्ली तक बैठकों का कई दौर चला। खुद असम कांग्रेस के प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह और गौरव गोगोई ने हेमंत सोरेन से मुलाकात की थी। बात यहीं नहीं रुकी, सोरेन खुद दिल्ली जाकर कांग्रेस आलाकमान से भी मिले, लेकिन हफ्तों की माथापच्ची के बाद भी सीटों के गणित पर कोई ठोस सहमति नहीं बन सकी। अंततः, झामुमो ने हार मानकर अपने 19 उम्मीदवारों की सूची फाइनल कर दी है और उन्हें पार्टी का पारंपरिक चुनाव चिन्ह तीर-कमान भी सौंप दिया गया है।

झामुमो की इस अकेले चलने की जिद के पीछे एक सोची-समझी चुनावी रणनीति छिपी है। पार्टी का मुख्य ध्यान असम के उन इलाकों पर है जहां चाय बागानों में काम करने वाले लोग और आदिवासी समुदाय बड़ी संख्या में रहते हैं। इन समुदायों के साथ पार्टी का पुराना जड़ाव रहा है और उसे उम्मीद है कि यह वोट बैंक उसे जीत दिलाने में मदद करेगा। माजबत विधानसभा सीट से प्रीति रेखा बरला और सोनारी से बलदेव तेली जैसे चेहरों को उतारकर झामुमो ने यह साफ कर दिया है कि वह पूरी तैयारी के साथ मैदान में है। हालांकि, उसने विपक्षी एकजुटता का एक छोटा संदेश देते हुए बिहाली की सीट वामदलों (CPIML) के लिए छोड़ दी है। असम की इस टूट का असर केवल वहीं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसकी तपिश झारखंड की राजनीति में भी महसूस की जाएगी। जानकारों का मानना है कि इस घटनाक्रम से दोनों दलों के बीच तल्खी बढ़ सकती है, जिसका असर आगामी राज्यसभा चुनावों पर पड़ेगा। झारखंड में जल्द ही राज्यसभा की दो सीटों के लिए चुनाव होने हैं। अभी तक माना जा रहा था कि एक सीट कांग्रेस के खाते में जा सकती है, लेकिन अब राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि झामुमो दोनों ही सीटों पर अपना दावा ठोक सकती है। लेकिन अंतिम दोनों में भाजपा क्या खेल करती है और झामुमो क्या रुख रहता है इस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा। इसलिए राज्यसभा का चुनाव झारखंड की राजनीति में टर्निंग पॉइंट हो सकता है। यह देखना दिलचस्प होगा कि झारखंड की सत्ता में साझेदार ये दो दल इस कड़वाहट को रांची की गलियों तक पहुंचने से कैसे रोकते हैं।

असम में 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होना है। राज्य की 126 सीटों के लिए हो रहे इस चुनाव में फिलहाल बीजेपी का पलड़ा भारी दिख रहा है, जिसने 2021 के चुनाव में 60 सीटें जीती थीं। अब जब विपक्षी एकता में सेंध लग चुकी है, तो आम मतदाता के मन में सवाल है कि क्या झामुमो अपने दम पर वोट काटकर कांग्रेस को नुकसान पहुंचाएगी या खुद के लिए एक नया आधार खड़ा करेगी। 4 मई को जब चुनावी नतीजे आएंगे, तभी पता चलेगा कि हेमंत सोरेन का यह साहसी फैसला कितना सही साबित हुआ। ब सवाल उठता है कि असम में झामुमो के चुनाव लड़ने से कांग्रेस के साथ उसके रिश्ते पर क्या असर पड़ेगा? असम में चुनाव लड़ने से किसको फायदा होने वाला है? वोटों के बिखराव का लाभ किसको मिलेगा? भाजपा, कांग्रेस या खुद झामुमो कोई असर डाल पाएगा। आखिर झामुमो की रणनीति क्या है। किस भूमिका में वहां नजर आएगी। सिर्फ चाय बागान में काम करने वाले झारखंड के आदिवासियों के भरोसे झामुमो को कितना वोट मिलने वाला है। आदिवासी वोटों पर झामुमो की नजर है। चाय बागान में काम करने वाले आदिवासियों को अपनी ओर करने के लिए भाजपा ने कई घोषणाएं की हैं। आदिवासियों का समर्थन इसके पहले के चुनाव में भाजपा और कांग्रेस को मिलता रहा है। अब झामुमो ने वहां एंट्री की है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आदिवासियों के नेता के रूप में दूसरे प्रदेशों में भी स्थापित होना चाहते हैं। जहां-जहां आदिवासी हैं वहां उनकी नजर है। इसी उद्देश्य से उन्होंने असम में चुनाव लड़ने का फैसला लिया है। हालांकि झामुमो ने फैसले में बहुत देर कर दी है। गठबंधन की आस में नामांकन के अंतिम दिन चुनाव मैदान में जाने का फैसला लिया है।

इधर, एक सवाल यह भी उठ रहा है कि झामुमो के चुनाव लड़ने से भाजपा को फायदा हो सकता है। वोटों का बिखराव होगा और इसका सीधा लाभ बीजेपी को मिलेगा। यदि इसका लाभ भाजपा को मिला तो कांग्रेस के साथ झामुमो के रिश्ते में दरार पड़ सकती है। कांग्रेस का एक खेमा यह मान रहा है कि हेमंत सोरेन अंदर से भाजपा को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से ही असम में चुनाव लड़ रहे हैं, क्योंकि वहां उनका कोई आधार नहीं है। सिर्फ चाय बागान में काम करने वाले आदिवासियों के नाम पर चुनाव लड़ने से कोई लाभ होने वाला नहीं है। झामुमो को कोई सीट मिलने वाली नहीं है। हेमंत सोरेन असम तो चले गए लेकिन पड़ोसी प्रदेश पश्चिम बंगाल जहां आदिवासियों की अच्छी खासी संख्या है वहां चुनाव लड़ने पर चुप क्यों है। इसके पीछे का रहस्य क्या है? असम में ओवैसी की भूमिका क्यों निभाना चाहते हैं।

इसके आलावा चुनाव से पहले झामुमो को एक बड़ी राहत मिली है। पार्टी को असम में भी उसका पारंपरिक तीर-धनुष चुनाव चिह्न आवंटित कर दिया गया है। इसके लिए पार्टी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष आवेदन दिया था, जिसे मंजूरी मिल गई।

गौरतलब है कि असम में जेएमएम की पूरी चुनावी रणनीति चाय बागानों में काम करने वाली जनजातियों और उनके व्यापक आदिवासी वोट बैंक पर आधारित है। राज्य भर में लगभग 35 से 40 विधानसभा क्षेत्रों में इन मतदाताओं का प्रभाव निर्णायक माना जाता है। पिछले एक साल से पार्टी इस क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने में सक्रिय रूप से लगी हुई है। जेएमएम के महासचिव विनोद कुमार पांडे लगातार असम में डेरा डाले हुए हैं और जमीनी स्तर पर पार्टी संगठन को संगठित और सक्रिय करने के प्रयास जारी हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन असम का दो बार दौरा कर चुके हैं, जिसमें उन्होंने आदिवासी पहचान और सामाजिक कल्याण से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। असम दौरे के दौरान सोरेन ने कहा था कि असम में रहने वाले आदिवासी समुदाय देश के चाय उद्योग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उनके परिश्रम ने ही चाय उद्योग को पहचान दिलाई है। इसलिए, इन समुदायों को उनके अधिकार और सम्मान दिलाना अत्यंत आवश्यक है।

गौरतलब है कि असम में चाय बागानों में काम करने वाले श्रमिकों की अच्छी खासी संख्या है, जिनमें से अधिकांश आदिवासी हैं जो ब्रिटिश काल के दौरान झारखंड के छोटानागपुर क्षेत्र से पलायन कर आए थे। जेएमएम इस समूह को संगठित करने और उनके वोट बैंक का लाभ उठाने का लक्ष्य रख रही है।

टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर की पार्टी के साथ ओवैसी के चुनाव लड़ने पर मनोज पांडे ने कहा, ‍मुझे लगता है कि ओवैसी ने एक-दो राज्यों में कुछ हद तक सफलता हासिल की है। उन्होंने बीजेपी को मजबूत किया है और धर्मनिरपेक्ष दलों और धर्मनिरपेक्ष ताकतों को कमजोर करने का काम किया है, जिससे उनका मनोबल बढ़ा है। मेरा मानना है कि बंगाल की स्थिति में वे कहीं भी उपयुक्त नहीं होंगे।

अखिलेश का मुस्लिम दांव, आजम की कमी या ओवैसी का डर

–संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश की राजनीति में इन दिनों एक दिलचस्प खेल चल रहा है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव एक के बाद एक मुस्लिम नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल कराते जा रहे हैं। ईद के बाद से यह सिलसिला और तेज हो गया है। पहले नसीमुद्दीन सिद्दीकी का सपा में आना, फिर बहुजन समाज पार्टी के पूर्व नेता और प्रवक्ता डॉ. एमएच खान का समाजवादी पार्टी में शामिल होना यह महज संयोग नहीं है, बल्कि एक सुनियोजित रणनीति है, जिसकी जड़ें कई राजनीतिक मजबूरियों और महत्वाकांक्षाओं में एक साथ गड़ी हुई हैं।सबसे पहले उस खालीपन की बात करते हैं, जो सपा की राजनीति में पिछले कुछ समय से महसूस किया जा रहा है। सपा के बड़े मुस्लिम चेहरे आजम खान जेल में हैं, ऐसे में अखिलेश यादव को एक प्रभावशाली मुस्लिम नेता की जरूरत महसूस हो रही थी। आजम खान सिर्फ एक नेता नहीं थे, वे समाजवादी पार्टी का एक पूरा चेहरा थे। रामपुर और उसके आसपास के इलाकों में उनकी जड़ें इतनी गहरी थीं कि उनके बिना सपा का मुस्लिम वोट बैंक अधूरा लगता था। मंच पर उनकी गैरहाजिरी सपा के लिए एक बड़ा राजनीतिक घाटा रही है। अखिलेश इस घाटे की भरपाई एक नेता से नहीं, बल्कि कई नेताओं को जोड़कर करने की कोशिश में हैं।इसी कड़ी में नसीमुद्दीन सिद्दीकी का सपा में आना एक बड़ी घटना है। 2007 से 2012 तक चली बसपा सरकार में नसीमुद्दीन सिद्दीकी के पास करीब 18 विभागों की जिम्मेदारी थी, जिस वजह से राजनीतिक हलकों में उन्हें 'मिनी सीएम' तक कहा जाने लगा था। बसपा से निकाले जाने के बाद वे कांग्रेस में गए, लेकिन वहां भी उनकी राजनीतिक भूख शांत नहीं हुई। अब सपा में आकर उन्होंने न सिर्फ खुद के लिए एक नया मंच तलाश किया है, बल्कि अखिलेश को भी एक ऐसा मुस्लिम चेहरा मिल गया है, जिसे पूरे उत्तर प्रदेश में पहचाना जाता है। नसीमुद्दीन सिद्दीकी करीब 1600 समर्थकों के साथ सपा में शामिल हुए हैं, जिससे कई जिलों में पार्टी को संगठनात्मक मजबूती मिल सकती है। बसपा के प्रवक्ता डॉ. एमएच खान का सपा में आना भी इसी रणनीति का हिस्सा है। सपा नेतृत्व ने उनका स्वागत करते हुए भरोसा जताया कि उनके अनुभव और संवाद कौशल से पार्टी को मजबूती मिलेगी और उन्हें सपा का आधिकारिक पैनलिस्ट बनाया गया है। यानी मीडिया की बहसों में, जहां आजम खान की आक्रामक आवाज की कमी खलती थी, वहां अब डॉ. खान जैसे अनुभवी प्रवक्ता पार्टी का पक्ष रखेंगे। यह एक व्यावहारिक और चतुर राजनीतिक कदम है।लेकिन अखिलेश की यह बेचैनी केवल आजम खान की अनुपस्थिति से नहीं उपजी है। इसके पीछे एक और बड़ा कारण है और वह है असदुद्दीन ओवैसी और उनकी पार्टी एआईएमआईएम। जान लें कि ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम यूपी में 200 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है। भले ही यूपी में ओवैसी का पिछला प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा हो, पिछले विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम 95 सीटों पर लड़ी और 94 में उनके उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी, लेकिन मुस्लिम वोटों के बिखराव का डर सपा को हमेशा सताता रहता है। बिहार में ओवैसी ने दिखाया है कि वे छोटी-छोटी जगहों पर चुनाव जीत सकते हैं। यूपी में अगर उन्होंने 10-15 सीटें भी निकाल लीं, तो वह सीधे सपा का नुकसान होगा। अखिलेश यादव ने खुद कहा कि ओवैसी को अगर यूपी आना है तो वो साइकिल पर सवार होकर आएं, नहीं तो माना जाएगा कि उनके अंडरग्राउंड तार भाजपा से जुड़े हैं। यह बयान बताता है कि अखिलेश ओवैसी को कितनी गंभीरता से लेते हैं। उनके लिए ओवैसी एक सीधा प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि वह 'वोट कटुआ' है, जो चुनाव के नतीजे पलट सकता है। इसीलिए अखिलेश की पूरी कोशिश यह है कि मुस्लिम मतदाता को यह संदेश दिया जाए कि उनका असली और ताकतवर नेतृत्व सपा के पास है, ओवैसी के पास नहीं।

यूपी में करीब 19 फीसदी मुस्लिम वोट हैं और 2022 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को 79 फीसदी मुस्लिम वोट मिला था। यह आंकड़ा देखने में बड़ा लगता है, लेकिन इसी में सपा की चुनौती भी छुपी है। जब इतना बड़ा वोट बैंक आपके साथ हो, तो उसे बनाए रखना और और मजबूत करना दोनों जरूरी हो जाता है। 2024 के लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को 92 फीसदी मुस्लिम वोट मिला। यह उछाल सपा को उत्साहित करता है, लेकिन यह भी डराता है कि इतना बड़ा वोट बैंक एकजुट रहे, इसके लिए लगातार मेहनत करनी होगी।राजनीतिक पंडितों का मानना है कि अखिलेश यादव जिस तरह से बसपा और कांग्रेस के कद्दावर नेताओं को अपनी टीम में शामिल कर रहे हैं, उससे 2027 के विधानसभा चुनाव की बिसात अभी से बिछ गई है। मुस्लिम नेताओं को जोड़ने के साथ-साथ अखिलेश अपने पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक फॉमूर्ले को धार देने में लगे हैं। यह फॉमूर्ला 2027 में उनकी सबसे बड़ी ताकत बन सकता है।कुल मिलाकर ,अखिलेश यादव की यह मुस्लिम नेताओं को जोड़ने की मुहिम कई परतों वाली राजनीति है। एक तरफ आजम खान की कमी पूरी करने की जरूरत है, दूसरी तरफ ओवैसी के बढ़ते प्रभाव को रोकना है और तीसरी तरफ 2027 के लिए एक ऐसा गठजोड़ तैयार करना है, जो भाजपा को सत्ता से बाहर कर सके। यह खेल जितना आसान दिखता है, उतना है नहीं। लेकिन अखिलेश की चालें बता रही हैं कि वे इस बार पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरे हैं।

धर्म बदलते ही खत्म होगा एससी दर्जा, सुप्रीम कोर्ट ने दोहराया सख्त नियम

–अजय कुमार

भारत के सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक ऐसा फैसला सुनाया जिसने सामाजिक न्याय की पूरी बहस को फिर से गरमा दिया है। अदालत ने साफ कहा कि हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी और धर्म में जाने वाला व्यक्ति अनुसूचित जाति का दर्जा तुरंत खो देता है। यह फैसला आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के पुराने आदेश को बरकरार रखते हुए आया, जिसमें गुंटूर जिले के चिंतादा आनंद नाम के एक पादरी की याचिका खारिज की गई थी। चिंतादा आनंद ने कुछ लोगों पर जातिगत गाली-गलौज और हमले का आरोप लगाते हुए एससी-एसटी अत्याचार निवारण कानून के तहत मुकदमा दर्ज कराया था, लेकिन आरोपियों ने कहा कि वह तो दशक से ज्यादा समय से ईसाई धर्म अपनाकर पादरी का काम कर रहे हैं, इसलिए उन्हें अब वह संरक्षण नहीं मिल सकता। हाईकोर्ट ने इस दलील को माना और अब सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की पीठ ने भी वही रुख अपनाया। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने कहा कि अपीलकर्ता के ईसाई बनने और सक्रिय रूप से प्रार्थनाएं कराने के सबूत साफ हैं, इसलिए एससी का दर्जा खत्म माना जाएगा।यह फैसला कोई नया कानून नहीं बनाता, बल्कि 1950 के संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश की धारा 3 को दोहराता है। उस आदेश में लिखा है कि अनुसूचित जाति का दर्जा सिर्फ उन लोगों को मिलता है जो हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म मानते हैं। कोई अन्य धर्म अपनाने पर जन्म से मिला यह हक स्वतः खत्म हो जाता है। कोर्ट ने जोर देकर कहा कि यह प्रतिबंध पूर्ण है, इसमें कोई छूट या अपवाद नहीं। चाहे व्यक्ति का जन्म किसी भी दलित परिवार में हुआ हो, अगर वह ईसाई या मुस्लिम बन जाता है तो वह अब अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं रहता। ईसाई धर्म में जाति की कोई व्यवस्था नहीं मानी जाती, इसलिए जातिगत अत्याचार का कानून भी उस पर लागू नहीं होता। चिंतादा आनंद गांव में घर-घर रविवार की प्रार्थनाएं कराते थे, पादरी के रूप में काम करते थे। कोर्ट ने इन तथ्यों को देखते हुए कहा कि घटना के समय वह ईसाई धर्म का पालन कर रहे थे, इसलिए एससी-एसटी एक्ट के तहत शिकायत का आधार ही नहीं बनता।

इस फैसले की गहराई समझने के लिए हमें संविधान की मूल भावना को याद करना होगा। डॉक्टर भीमराव आंबेडकर और संविधान सभा ने अनुसूचित जाति को विशेष दर्जा इसलिए दिया क्योंकि हिंदू समाज में सदियों से छुआछूत और अस्पृश्यता का भयानक अन्याय चला था। यह दर्जा ऐतिहासिक दमन की याद दिलाता है, न कि किसी व्यक्तिगत पसंद का। 1950 का आदेश शुरू में सिर्फ हिंदुओं के लिए था। बाद में सिखों को 1956 में और बौद्धों को 1990 में शामिल किया गया क्योंकि इन धर्मों में भी जातीय संरचना बनी रही। लेकिन इस्लाम और ईसाई धर्म खुद को जातिविहीन बताते हैं। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई इनमें चला जाता है तो ऐतिहासिक पीड़ा का आधार भी खत्म हो जाता है। इसलिए आरक्षण, सरकारी नौकरियां, शिक्षा में सीटें, छात्रवृत्तियां और कानूनी सुरक्षा जैसे लाभ अब नहीं मिल सकते।फैसले के बाद सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या इससे धर्मांतरण रुकेगा? अनुच्छेद 25 के तहत धर्म बदलना हर भारतीय का मौलिक अधिकार है। कोई भी व्यक्ति अपनी आस्था बदल सकता है, प्रचार कर सकता है। लेकिन क्या यह अधिकार राज्य द्वारा दिए गए आरक्षण जैसे लाभों पर भी लागू होता है? सुप्रीम कोर्ट ने जवाब दिया नहीं। लाभ उस धर्म में झेली गई पीड़ा से जुड़े हैं, न कि व्यक्ति की नई आस्था से। अगर कोई दलित ईसाई बनकर भी पुराना एससी सर्टिफिकेट दिखाकर फायदा उठाता रहे तो असली हिंदू दलितों का हक छिन जाएगा। कोटा सीमित है, संसाधन सीमित हैं। नई आबादी जुड़ने से मौजूदा लाभार्थियों का हिस्सा कम हो जाएगा। राजनीति में भी असर पड़ेगा। आरक्षित सीटों पर उम्मीदवारों का चरित्र बदल सकता है। जो लोग धर्म बदलकर लाभ लेते रहे, उनके लिए अब रास्ता बंद हो गया।

लेकिन यह मुद्दा इतना सरल भी नहीं है। लंबे समय से एक बड़ा विवाद चल रहा है क्या ईसाई और मुस्लिम दलितों को भी अनुसूचित जाति का दर्जा देना चाहिए? 2007 में रंगनाथ मिश्रा आयोग ने सिफारिश की थी कि सभी धर्मों के दलितों को आरक्षण मिले क्योंकि सामाजिक पिछड़ापन धर्म बदलने से नहीं मिटता। लेकिन केंद्र सरकार ने इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया। सरकार का कहना था कि आयोग ने बिना जमीनी अध्ययन के सिफारिश कर दी। अब पूर्व मुख्य न्यायाधीश के जी बालकृष्णन की अध्यक्षता में नया आयोग इस पूरे मसले पर गहराई से विचार कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट में भी कई याचिकाएं लंबित हैं। इस फैसले ने उस बहस को और तेज कर दिया है। फिलहाल कोर्ट ने कहा कि बदलाव अगर करना है तो संसद करे, अदालत नहीं। 1950 का आदेश अभी पूरी तरह लागू है।सामाजिक रूप से देखें तो धर्मांतरण अक्सर बेहतर जीवन की तलाश में होता है। कई दलित परिवार सोचते हैं कि हिंदू समाज में मिलने वाला अपमान ईसाई या मुस्लिम बनकर कम हो जाएगा। लेकिन हकीकत में कई जगहों पर जाति की छाया उन नए धर्मों में भी दिखती है। फिर भी कानून साफ है। अगर कोई व्यक्ति वापस हिंदू हो जाता है और उसका समुदाय उसे स्वीकार कर लेता है तो दर्जा बहाल हो सकता है। लेकिन एक साथ दो धर्मों का पालन करके एससी का दावा नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने इस मामले में सबूतों पर जोर दिया। अगर कोई पादरी का काम कर रहा है, प्रार्थनाएं आयोजित कर रहा है तो वह ईसाई ही माना जाएगा। चिंतादा आनंद के मामले में यही हुआ।

आरक्षण का मकसद सामाजिक समानता लाना है, न कि धर्म बदलने को बढ़ावा देना। अगर बदलने से भी लाभ मिलते रहें तो मूल उद्देश्य ही खत्म हो जाएगा। सरकारी नौकरियों, विधानसभाओं और लोकसभा में सीटें उन लोगों के लिए आरक्षित हैं जिन्होंने हिंदू समाज में दमन झेला। ईसाई या मुस्लिम बनकर वे अब उस दमन की श्रेणी से बाहर हो जाते हैं। हालांकि वे ओबीसी या आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग में शामिल हो सकते हैं अगर उनका समुदाय सूची में है, लेकिन एससी का विशेष दर्जा नहीं मिलेगा। यह फैसला उन लोगों के लिए भी चेतावनी है जो धर्मांतरण को सिर्फ फायदे का साधन बनाते हैं। सच्चा परिवर्तन आस्था से होना चाहिए, आरक्षण के लालच से नहीं।देश की एकता के नजरिए से भी यह फैसला अहम है। भारत विविधताओं का देश है, लेकिन संविधान ने सामाजिक न्याय को कुछ धर्मों तक सीमित रखा है। अगर हर धर्म को एससी दर्जा दे दिया जाए तो पूरी आरक्षण व्यवस्था चरमरा सकती है। कोटा बढ़ाने से पहले आर्थिक और सामाजिक सर्वेक्षण जरूरी है। सरकार ने यही रुख अपनाया है। नया आयोग इसी दिशा में काम कर रहा है। फैसले से दलित समाज में दो धड़ों में बंटाव हो सकता है एक वे जो हिंदू रहकर संघर्ष कर रहे हैं, दूसरे वे जो धर्म बदल चुके हैं। लेकिन कोर्ट ने कहा कि कानून सबके लिए बराबर है। कोई भी व्यक्ति दो श्रेणियों का लाभ एक साथ नहीं ले सकता।

इस फैसले ने एक बार फिर साबित किया कि संविधान सर्वोच्च है। अदालत न भावनाओं से प्रभावित होती है, न राजनीतिक दबाव से। उसने 1950 के आदेश को दोहराया और कहा कि यह पूर्ण प्रतिबंध है। अब अगर बदलाव करना है तो संसद करे। चिंतादा आनंद की याचिका खारिज होने से उनका मुकदमा भी प्रभावित होगा। लेकिन इससे बड़े सवाल पर बहस शुरू हो गई है क्या सामाजिक पिछड़ापन धर्म से ऊपर है? जवाब अभी लंबित है, लेकिन फिलहाल संविधान की मूल भावना जीत गई।भारत जैसे देश में सामाजिक न्याय की राह हमेशा कठिन रही है। एक तरफ आरक्षण जरूरी है पिछड़ेपन को मिटाने के लिए, दूसरी तरफ इसके दुरुपयोग को रोकना भी उतना ही जरूरी। इस फैसले ने दुरुपयोग की एक बड़ी खिड़की बंद कर दी। अब जरूरत है कि सरकार और समाज मिलकर उन दलितों की मदद करें जो बिना धर्म बदले संघर्ष कर रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की योजनाएं और मजबूत हों। जातिगत भेदभाव पर सख्ती बढ़े। तभी सच्चा बदलाव आएगा।सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला सिर्फ कानूनी नहीं, नैतिक भी है। यह कहता है कि संविधान की रक्षा करो, उसकी भावना को मत तोड़ो। धर्म परिवर्तन व्यक्तिगत आस्था का मामला है, लेकिन राज्य के लाभ संवैधानिक सीमाओं में बंधे रहेंगे। यह फैसला देश को याद दिलाता है कि न्याय की राह पर चलते हुए संतुलन बनाए रखना होगा न तो धर्म की आड़ में लाभ लूटने दो, न ही असली दलितों का हक किसी को छीनने दो। सामाजिक न्याय की यह लड़ाई अभी जारी रहेगी, लेकिन संविधान की दीवार मजबूत बनी रहेगी।

दिव्यांग विद्यार्थियों की वारली कला को नई पहचान, जिला परिषद में प्रेरणादायक प्रदर्शनी आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति)। दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए कला न केवल एक अभिव्यक्ति का माध्यम है, बल्कि आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए जिला परिषद पालघर ने दिव्यांग विद्यार्थियों को वारली पेंटिंग में प्रशिक्षण प्रदान किया। इस प्रशिक्षण के परिणामस्वरूप मंगलवार 24 मार्च को जिला परिषद में एक भव्य वारली कला प्रदर्शनी आयोजित की गई, जो विद्यार्थियों की कला को नई पहचान देने का एक महत्वपूर्ण प्रयास साबित हुई। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे के मुख्य आतिथ्य में किया गया। उद्घाटन के बाद उन्होंने प्रदर्शनी का निरीक्षण करते हुए विद्यार्थियों की कलाकृतियों की सराहना की। रविंद्र शिंदे ने कहा कि इन सरल व पारंपरिक माध्यमों से बनाई गई कलाकृतियों में ग्रामीण जीवन, प्रकृति और संस्कृति का सुंदर चित्रण हो रहा है। प्रदर्शनी में दिव्यांग विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई वारली कला की विविध वस्तुओं को देखा गया, जिन्हें देखकर उपस्थित अधिकारियों व लोगों ने उनकी सराहना की। इस कार्यक्रम में जिला ग्रामीण विकास योजना की परियोजना संचालिका डॉ. रूपाली सातपुते, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी इजाज अहमद शरीक मसलत, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (पंचायत) अशोक पाटील, कृषि विकास अधिकारी सोमनाथ पिंजारी व अनिता शिंदे (रविंद्र शिंदे की पत्नी) भी उपस्थित थीं। दिव्यांग विद्यार्थियों को वारली पेंटिंग का प्रशिक्षण जिले के सात विद्यालयों में दिया गया था। जिनमें निलेश मुर्डेश्वर कर्णबधिर विद्यालय, जव्हार, शापरिया कर्णबधिर विद्यालय, पालघर, स्वामी परिज्ञानाश्रम कर्णबधिर विद्यालय, विरार, स्वामी परिजज्ञानाश्रम मतिमंद कार्यशाला, विरार, स्वामी परिजज्ञानाश्रम मतिमंद स्कूल, विरार, जीवदानी मतिमंद स्कूल, वसई मूकबधिर बालविकास केंद्र, डहाणू के नाम शामिल हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों ने पारंपरिक वारली कला की विभिन्न तकनीकों को सीखा और कई उत्कृष्ट कलाकृतियाँ बनाई। कार्यक्रम का आयोजन जिला समाज कल्याण अधिकारी व दिव्यांग कल्याण अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर के मार्गदर्शन में किया गया। प्रदर्शनी में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही, 'दिशा' अभियान के तहत मूकबधिर स्कूलों में किये गये पाठ्यक्रम को पूरा करने वाले स्कूलों को भी सम्मानित किया गया। शिक्षकों को भी उनकी मेहनत और विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए प्रमाणपत्र दिए गये। इस कार्यक्रम ने दिव्यांग विद्यार्थियों को अपनी कला को प्रदर्शित करने का मंच प्रदान किया, जिससे उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हुई और उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

अवैध लोन ऐप्स और ऑनलाइन गेमिंग के खतरे पर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया : मुख्य न्यायाधीश को प्रतिनिधित्व

मुंबई। देशभर में अवैध लोन ऐप्स और अनियंत्रित ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स से बढ़ते साइबर शोषण और वित्तीय धोखाधड़ी के गंभीर मुद्दे को उठाते हुए सामाजिक कार्यकर्ता एवं राजनीतिक नेता श्री संदीप अमरनाथ पांडेय ने माननीय भारत के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष न्यायिक हस्तक्षेप की मांग करते हुए प्रतिनिधित्व प्रस्तुत किया है। प्रतिनिधित्व में डेटा चोरी, जबरन वसूली, अश्लील ब्लैकमेलिंग तथा पीड़ितों पर पड़ रहे गहरे मानसिक दबाव जैसे मामलों को रेखांकित किया गया है। इसमें नागरिकों की गरिमा, सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता की रक्षा के लिए सख्त नियामकीय कदम, प्रभावी साइबर प्रवर्तन और व्यापक जनजागरूकता अभियान की आवश्यकता बताई गई है। यह प्रतिनिधित्व सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले अधिवक्ता श्री कनिष्क अरोड़ा की विधिक सहायता से दाखिल किया गया, जिन्होंने डिजिटल युग में नागरिकों के मौलिक अधिकारों की सुरक्षा हेतु शीघ्र संस्थागत कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया। और इस देश ब्यापी अवैध लोन, साइबर क्राइम और जबरन वसूली के साथ साथ युवाओं पर इतना दबाव बना दिया जाता है कि जिसके कारण कितने लोग आत्म हत्या कर चुके है और कितने बर्बाद होकर आत्म हत्या के कगार पर खड़े है। संदीप पांडेय ने कई घरों को उजड़ते हुये देख सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायधीश से निवेदन करते हुए उन्हें बचाने की गुहार लगाई है। और इन संचालित एप्प्स पर कठोर कार्रवाई करते हुए प्रतिबंध लगाने की भी मांग की है।

टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस ने तीन नए फंड लॉन्च किए

मुंबई/पटना। भारत की एक प्रमुख निजी जीवन बीमा कंपनी, टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस ने आज तीन नए फंड लॉन्च किए हैं। ये फंड निवेशकों को भारत की विकास क्षमता और वैश्विक तकनीकी प्रगति का लाभ उठाने का एक अनूठा अवसर प्रदान करते हैं, साथ ही टाटा एआईए की यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान्स के माध्यम से जीवन बीमा सुरक्षा का लाभ भी देते हैं। निवेशक इन फंडों और टाटा एआईए के निवेश समाधानों के बारे में अधिक जानकारी टाटा एआईए डांट कॉमपर पा सकते हैं। टाटा एआईए लार्ज मिड कैप इनोवेशन फंड, टाटा एआईए लार्ज मिड कैप इनोवेशन पेंशन फंड, और टाटा एआईए ग्लोबल एआई एंड टेक्नोलॉजी लीडर्स को इस तरह बनाया गया है ताकि निवेशक भारत की नई और आधुनिक कंपनियों और दुनिया भर में हो रही तकनीकी तरक्की से होने वाले मुनाफे का फायदा उठा सकें। ये फंड आईएफएससी नियमों के अनुसार शासित और विनियमित हैं।

ऐसा बोल रही हो, बाद में मुझे ही अनाड़ी बना दोगी, अक्षय कुमार का मजेदार अंदाज बॉक्सर लेखा के साथ व्हील ऑफ फॉर्च्यून पर

मुंबई/पटना। व्हील ऑफ फॉर्च्यून का आने वाला एपिसोड एक बार फिर दर्शकों को हंसी से लोटपोट कर देगा, जब होस्ट अक्षय कुमार और कंटेस्टेंट लेखा के बीच मजेदार बातचीत होगी। जो शुरूआत में एक साधारण बातचीत लगती है, वह जल्द ही लेखा की बॉक्सिंग स्किल्स और उनकी मासूमियत पर मजाकिया तकरार में बदल जाती है। अक्षय कुमार मजाकिया अंदाज में कहते हैं कि लेखा की मासूमियत धोखा भी दे सकती है। उन्होंने कहा, लेखा की मासूमियत एक इल्यूजन है, क्योंकि जब इसका हाथ चलता है तो सामने वाले का सिस्टम हिल जाता है। जैसे ही लेखा ने बताया कि वह बॉक्सर हैं, अक्षय ने तुरंत दर्शकों की तरफ रुख करते हुए मजेदार सवाल किया, यहाँ किसी को लगता है कि ये बॉक्सर नहीं है? या ये झूठ बोल रही है? यहाँ कोई है जो इससे लड़ना चाहता है? लेखा ने भी पूरे स्पोर्टिंग अंदाज में जवाब दिया।

एसटी कॉर्पोरेशन की राजमाता जिजाऊ बस सेवा का भव्य उद्घाटन

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के शुभ हाथों से एक नए युग का आरंभ हुआ

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मुंबई, दिनांक 24 मार्च 2026 महाराष्ट्र की समृद्ध परंपरा को आधुनिकता का सुनहरा स्पर्श मिला, यह क्षण आज विधान भवन परिसर में साकार हुआ। ढोल-नगाड़ों की झंकार, लेज़िम की ताल और उत्साह की लहरों के बीच, अत्याधुनिक स्मार्ट बस सेवा राजमाता जिजाऊ का भव्य उद्घाटन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के शुभ हाथों से हुआ। मानो इतिहास और वर्तमान का संगम रचते हुए, इस समारोह ने सार्वजनिक परिवहन के एक नए युग का शुभारंभ किया। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजीत पवार, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे, शिक्षा मंत्री दादाजी भूसे, राज्य मंत्री माधुरी मिसल के साथ-साथ विधानसभा सदस्य, वरिष्ठ अधिकारी और उद्योग जगत के गणमान्य व्यक्ति इस भव्य समारोह में उपस्थित थे। उनकी उपस्थिति ने इस ऐतिहासिक क्षण की भव्यता को और भी बढ़ा दिया।

राजमाता जिजाऊ का नाम लेते ही मातृत्व, संस्कृति और स्वतंत्रता की प्रेरणा मन में जागृत हो उठती है। यह बस सेवा छत्रपति शिवाजी महाराज के व्यक्तित्व को आकार देने वाली राजमाता जिजाऊ की उपलब्धियों को श्रद्धांजलि के रूप में शुरू की गई है। इस सेवा के माध्यम से प्रत्येक यात्री के मन में न केवल यात्रा की भावना, बल्कि इतिहास की प्रेरक परंपरा का भी संचार करने का प्रयास किया गया है।

अत्याधुनिक तकनीक से लैस लगभग 3000 बसों का बेड़ा चरणबद्ध तरीके से राज्य भर में चलेगा, जिससे यात्रियों को सुरक्षा, आराम और भरोसे के त्रिवेणी संगम का अनुभव प्राप्त होगा। राजमाता जिजाऊ शिवनेरी शिवशाही शिवाई' हिरकानी' और यशवंती' जैसी गौरवशाली सेवाओं की परंपरा में एक और चमकती कड़ी होगी। रिबन काटकर उद्घाटन समारोह के बाद, मुख्यमंत्री फडणवीस, उपमुख्यमंत्री शिंदे, उपमुख्यमंत्री पवार और परिवहन मंत्री सरनाईक ने इस बस में यात्रा की और एक नए युग की शुरूआत का अनुभव किया। बस के आगे राजमाता जिजाऊ को घोड़े पर सवार देखना मानो इतिहास को जीवंत कर देने वाला दृश्य था उस दृश्य ने पूरे समारोह को एक अद्भुत, प्रेरणादायक और ऐतिहासिक आयाम प्रदान किया।

राजमाता जिजाऊ बस सेवा महज एक यात्रा सुविधा नहीं है, बल्कि महाराष्ट्र की संस्कृति, आत्मसम्मान और प्रगति की एक जीवंत यात्रा है - जो हर यात्री को प्रेरित करेगी और उन्हें आगे ले जाएगी।

विश्व क्षयरोग दिन के उपलक्ष्य में चेंबूर एम पश्चिम वार्ड में क्षयरोग जनजागरण अभियान का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चेंबूर मनपा एम पश्चिम विभाग में मंगलवार को विश्व क्षयरोग दिन के उपलक्ष्य में क्षयरोग जनजागरण अभियान चलाया गया।

इस दौरान टी. बी. हारेगा! देश जीतेगा इस घोषणा के साथ इलाके में रैली निकालकर जनजागरण अभियान चलाया गया। इस रैली का नेतृत्व सहायक मनपा आयुक्त शंकर भोसले प्रभाग समिति अध्यक्ष आशा ताई सुभाष मराठे, डॉ. भूपेंद्र पाटिल ने किया।

जनजागरण अभियान में प्रमुख रूप से मुंबई चर्मकार विकास संघ के अध्यक्ष सुभाष मराठे और बड़ी संख्या में मनपा के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका का 1179 करोड़ का बजट पेश, शिक्षा, पानी और विकास पर विशेष जोर

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका का वर्ष 2025-26 का संशोधित तथा 2026-27 का मूल बजट मंगलवार को पेश किया गया। आयुक्त अनमोल सागर ने 73.96 लाख रुपये की शेष राशि दशार्ते हुए 1179 करोड़ 10 लाख 97 हजार रुपये का बजट महापौर नारायण रतन चौधरी को प्रस्तुत किया। इस दौरान उपमहापौर तारीक अब्दुल बारी मोमीन, अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके, नयना ससाणे तथा मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी रामप्रसाद सोलुंके सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बजट में नगर विकास के विभिन्न क्षेत्रों को शामिल करते हुए जल आपूर्ति, सीवरेज, कमजोर वर्ग कल्याण, महिला एवं बाल कल्याण, दिव्यांग कल्याण, शिक्षा, अग्निशमन, परिवहन और वृक्ष संवर्धन जैसे कुल नौ विभागों के लिए प्रावधान किया गया है। वर्ष 2026-27 के लिए प्रारंभिक शेष 241.51 करोड़ रुपये अनुमानित है और कुल आय 1179.10 करोड़ रुपये आंकी गई है। महिला, बाल कल्याण, कमजोर वर्ग और दिव्यांग कल्याण के लिए राजस्व आय का 5% यानी 3.26 करोड़ रुपये का विशेष प्रावधान किया गया है। बजट की प्रमुख विशेषताओं में एपीजे अब्दुल कलाम शिक्षा अभियान के तहत छात्रों के लिए 1 करोड़ रुपये की व्यवस्था, पीएम ई-बस योजना में मनपा हिस्सेदारी के लिए 5 करोड़ रुपये का प्रावधान, शहर में संपत्ति कर सुधार हेतु जीआईएस मैपिंग के लिए 10 करोड़ रुपये, मनपा स्कूलों के नवीनीकरण व मरम्मत के लिए 4 करोड़ रुपये, नगरोत्थान व मूलभूत विकास योजना में 59.42 करोड़ रुपये, जिसमें 22 करोड़ अगले वर्ष के लिए आरक्षित।

अग्निशमन व तकनीकी विभाग में संविदा कर्मचारियों के लिए 3.50 करोड़ रुपये, अमृत 2.0 योजना के तहत 100 एमएलडी जलापूर्ति योजना के लिए 25 करोड़ रुपये, सड़कों के चौड़ीकरण को ध्यान में रखते हुए विद्युत खंभों के स्थानांतरण हेतु 2 करोड़ रुपये। मनपा का यह बजट शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, शिक्षा को बढ़ावा देने और नागरिक सुविधाओं में सुधार पर केंद्रित बताया जा रहा है।

मामूली झगड़े में पालतू कुत्ते को काटने के लिए छोड़ा, मानपाडा पुलिस ने दर्ज किया मामला

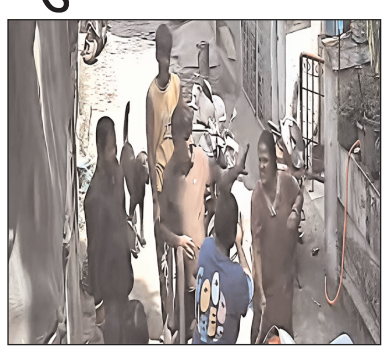

कल्याण (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली के लोढ़ा हेवन इलाके में एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। जहां मामूली बात को लेकर हुए झगड़े में अपने पालतू कुत्ते को काटने के लिए छोड़ दिया। कुत्ते के काटने की वजह से शिकायतकर्ता मनोज योगी (44) और उनका बेटा जख्मी हो गया है। घटना को लेकर मनोज के पड़ोसी संतोष तिवारी (55), उनकी पत्नी अनुराधा संतोष तिवारी (50), और बेटी कृतिका तिवारी (24) पर मानपाड़ा थाने में मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के मुताबिक लोढ़ा हेवन के एफजीएच सोसायटी स्थित चंद्रेश विला के रहने वाले मनोज योगी के मकान के पीछे चेंबर भर गया था। मनोज की पत्नी और बेटा दो मजदूरों के जरिए चेंबर की सफाई करवा रहे थे। विवाद तब शुरू हुआ जब उनके पड़ोस में रहने वाले संतोष तिवारी ने चेंबर की सफाई का विरोध किया। आरोप है कि तिवारी ने मजदूरों पर उनका पालतू कुत्ता छोड़ दिया। कुत्ते के डर से मजदूर काम छोड़कर भाग गए। इसके बाद आरोपी संतोष, अनुराधा और कृतिका तिवारी ने मनोज और उनकी पत्नी पर बांबू से हमला करते हुए बुरी तरह पिटाई कर दी। जब पिटाई से भी मन नहीं भरा, तो उन्होंने शिकायतकर्ता पर उनका पालतू कुत्ता काटने के लिए छोड़ दिया। कुत्ते के हमले में मनोज और उनका बेटा घायल हो गया है। वहीं पुलिस ने घायल की शिकायत पर तिवारी परिवार के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक षहादेव पालवे कर रहे है।

नगरसेवक रमेश जाधव के पहल पर कामगारों को सेफ्टी अत्यावश्यक किट का वितरण

कल्याण (उत्तरशक्ति)। रयत महाराष्ट्र जनरल कामगार संघटना और शिवसेना शिंदे गुट के नगरसेवक रमेश जाधव के पहल पर महाराष्ट्र इमारत एवं अन्य बांधकाम कामगार कल्याणकारी मंडल के माध्यम से कामगारों को सेफ्टी और अत्यावश्यक किट का वितरण किया गया। बांधकाम कामगारों को संभावित दुर्घटनाओं से बचाने के लिए महाराष्ट्र इमारत एवं अन्य बांधकाम कामगार कल्याणकारी मंडल के माध्यम से सेफ्टी किट उपलब्ध कराई जाती है। रयत महाराष्ट्र जनरल कामगार संघटना के ठाणे जिलाध्यक्ष सचिन आलंगे और पूर्व महापौर रमेश जाधव ने पहल करते हुए कल्याण पूर्व के सैकड़ों कामगारों को यह सुरक्षा किट और अत्यावश्यक किट प्रदान की। कल्याण पूर्व के साईनगर स्थित शिवसेना शाखा के सामने आयोजित कार्यक्रम में तीन सौ कामगारों को सामग्री किट वितरण किया गया। इस अवसर पर युवा सेना के कामेश जाधव, संगठन के कल्याण शहर अध्यक्ष विजय आलंगे, प्रमोद ओव्हाल, निलेश सावंत, मनोहर राणे तथा अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

विश्व क्षयरोग दिवस पर पालघर में टीबी मुक्त भारत अभियान 2.0 की शुरूआत

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। क्षयरोग के उन्मूलन के प्रयासों को और तेज करते हुए 24 मार्च को जागतिक क्षयरोग दिवस के अवसर पर ग्रामीण अस्पताल, पालघर में एक प्रभावी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी अवसर पर जिले में टीबी मुक्त भारत अभियान 2.0 की औपचारिक शुरूआत की गई। कार्यक्रम में जिला शल्यचिकित्सक डॉ. रामदास मराड, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी, जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ. शशिकांत सालुंखे, निवासी चिकित्सा अधिकारी डॉ. योगेश सुरलकर, वैद्यकीय अधीक्षक डॉ. चंद्रकांत लोहारे, तहसील स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तन्वीर शेख व अन्य मान्यवर उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत स्वागत भाषण से हुई। सूर्या नर्सिंग कॉलेज के छात्रों ने एक नाट्य प्रस्तुति द्वारा क्षयरोग के बारे में भ्रांतियों को दूर किया और नागरिकों में जागरूकता पैदा की। कांचन गृह उद्योग एवं हर्षी इंटरप्राईजेस की मदद से मरीजों को पोषणयुक्त खाद्य बास्केट वितरित किये गये। इसके साथ ही टीबी चैंपियंस को सम्मानित किया गया, जिन्होंने उपचार पूरा कर समाज में आदर्श स्थापित किया। इस अवसर पर मान्यवरों ने टीबी उन्मूलन के लिए जल्दी निदान, नियमित उपचार और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर दिया, और टीबी मुक्त भारत बनाने के लिए सभी नागरिकों से आगे आने की अपील की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में जिल्हा क्षयरोग केंद्र के जिल्हा समन्वयक मनोज सर, पीपीएस APPSA जिला कॉर्डिनेटर विशाल सर व उनकी टीम, साथ ही ग्रामीण अस्पताल पालघर के कर्मचारी और STS/STLS ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। 24 मार्च 1882 को डॉ. रॉबर्ट कोच ने मायकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक बैक्टीरिया की खोज की थी, जो चिकित्सा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम था। इस दिन को याद करते हुए हर साल जागतिक क्षयरोग दिवस मनाया जाता है, ताकि समाज में जागरूकता बढ़े और इस बीमारी को समाप्त किया जा सके। क्षयरोग एक संक्रामक रोग है, जो मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करता है। हालांकि, यह हड्डियों, मस्तिष्क, ग्रंथियों, गुर्दे, त्वचा आदि अन्य अंगों को भी प्रभावित कर सकता है। समय पर इलाज न कराने से यह गंभीर रूप ले सकता है। इसके लिए निम्लिखित सावधानियां बरतनी चाहिए :- लक्षणों की अनदेखी न करें, दो सप्ताह से अधिक खांसी, शाम को बुखार और रात को पसीना आना, भूख कम होना, वजन घटना, थूक में खून या छाती में दर्द, लगातार थकान या गर्दन में गांठें, जांच व उपचार- सब कुछ मुफ्त, थूक की जांच, उच्च-NAAT / TruNat टेस्ट, छाती का एक्स-रे, आवश्यकता अनुसार अन्य जांचें, सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में जांच और उपचार पूरी तरह से मुफ्त उपलब्ध हैं। जिला स्वास्थ्य विभाग ने टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने की अपील की है कि अगर टीबी को हराना है, तो समय पर जांच और पूरा इलाज ही एकमात्र रास्ता है। टीबी मुक्त भारत के लिए प्रशासन के साथ-साथ नागरिकों का सक्रिय सहयोग अत्यंत आवश्यक है।

चाकू की नोक पर डकैती का नाटक करने वाले अपराधियों को नया नगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड के मामला है शिकायतकर्ता श्रीमती उजमा रियाज खान, उम्र 26 वर्ष, पेशाः नौकरी, निवासी सिद्धार्थ नगर, रसाइज सिनेमा के पीछे, नयानगर पूर्व, टी.डी. ठाणे। वह फाइव टेक इंटरनेशनल कंपनी के कार्यालय, दुकान संख्या सी/78, शांति शॉपिंग सेंटर, मीरा रोड पूर्व में कार्यरत हैं। 18/03/2026 को शाम लगभग 5:30 बजे, जब वह कार्यालय में थीं, दो अज्ञात व्यक्ति दुकान में घुस आए, अंदर से दुकान का शटर बंद कर दिया, शिकायतकर्ता को चाकू से धमकाया और कार्यालय की मेज के दराज में रखे 2,94,000 रुपये जबरन चुरा लिए। उनकी शिकायत के आधार पर, नयानगर पुलिस स्टेशन में बी.एन.एस. 2023 की धारा 309 (4), 329 (1), 3 (5) के तहत मामला दर्ज किया गया। 19/03/2026 को 00:53 बजे मामला दर्ज किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों ने घटना का गंभीरतापूर्वक संज्ञान लिया और पुलिस उपायुक्त (अपराध), अतिरिक्त प्रभार क्षेत्र एक मीरा रोड, के सहायक पुलिस आयुक्त, नवघर डिवीजन, नयानगर पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी अमर जगदाले के मार्गदर्शन में, विस्तृत निर्देश देने के बाद, अपने अधीन अपराध जांच दल के अधिकारियों और कर्मचारियों को जांच के लिए भेजा। टीम ने घटनास्थल की गहन जांच की और दो अन्य आरोपियों में से एक अज्ञात आरोपी को ढूंढ निकाला, जिसने नारंगी रंग की आधी बाजू की टी-शर्ट, काली टोपी और काला चश्मा पहन रखा था। उसे मुंबई के माझगांव से 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया और इस तरह अपराध को सुलझा लिया गया। गिरफ्तार आरोपी मुजम्मिल अब्दुल हाफि ज सिद्दीकी (उम्र 20 वर्ष) ने अपराध के संबंध में की गई कुशल जांच के दौरान खुलासा किया कि शिकायतकर्ता श्रीमती उजमा रियाज खान ने उन्हें सूचित किया था कि 18/03/2026 को एक ग्राहक द्वारा कार्यालय में लाखों रुपये जमा किए जाएंगे। जांच में पता चला कि गिरफ्तार आरोपी, स्वयं शिकायतकर्ता उजमा रियाज खान और उनके मित्र मोहम्मद ओवेश मोइद्दीन शेख (उम्र 26 वर्ष) 17/03/2026 को मुंबई में मिले और उक्त चोरी को फर्जी तरीके से अंजाम देने की साजिश रची।

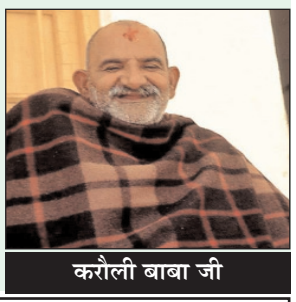

करौली बाबा जी

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

कांग्रेस जिलाध्यक्ष के पुत्र की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के लिए बेहद दुःखद समाचार सामने आया है। डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी जौनपुर के ज्येष्ठ पुत्र प्रणव सिंह का पंजाब में एक सड़क दुर्घटना में असामयिक निधन हो गया। इस हृदयविदारक घटना की खबर मिलते ही कांग्रेस सहित सभी राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों में शोक की लहर दौड़ पड़ी।

बताया जाता है कि प्रणव सिंह एक कॉलेज में होटल मैनेजमेंट की पढ़ाई कर रहे थे। बीते शनिवार को ईद के पर्व के चलते हॉस्टल का मेस बंद था, जिस कारण वह बाइक से होटल की ओर खाना खाने जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में हुए सड़क हादसे ने उनकी जिंदगी छीन ली। इस दर्दनाक हादसे ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया।

सोमवार दोपहर करीब 12 बजे जैसे ही उनका पार्थिव शरीर सुजानगंज स्थित आवास पर पहुंचा, वहां कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं क्षेत्र के लोग भी इस असहनीय पीड़ा में सहभागी बनकर शोक संवेदना प्रकट करने पहुंचे। हर आंख नम थी और हर जुबां पर एक ही सवाल– इतनी कम उम्र में आखिर क्यों? प्रणव सिंह के असमय चले जाने से न सिर्फ परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र ने एक होनहार युवा को खो दिया है। उनके मिलनसार स्वभाव और उज्ज्वल भविष्य की चर्चाएं अब यादों में बदल गई हैं।

ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति दें।

जौनपुर के डॉक्टरों का ग्लोबल कीर्तिमान

'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' में चमकीं डॉ.रुचिरा व डॉ.आदर्श

उप-शीर्षक: मोदी-योगी के डिजिटल हेल्थ मिशन को मिली नई ऊंचाई; मेडल व प्रमाणपत्र प्राप्त होने पर प्राचार्य प्रो. डॉ.आर.बी. कमल ने किया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'डिजिटल इंडिया' अभियान और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'तकनीकी रूप से सक्षम उत्तर प्रदेश' के विजन को जौनपुर के चिकित्सकों ने अंतरराष्ट्रीय पटल पर नई पहचान दिलाई है। उमानाथ सिंह स्वायत्तशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय (UNS ASMC) की चीफ प्रॉक्टर डॉ. रुचिरा सेठी और असिस्टेंट प्रोफेसर व एनएमसी (NMC) बायोमेट्रिक नोडल डॉ. आदर्श कुमार यादव ने चिकित्सा के क्षेत्र में एक अभूतपूर्व 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' (Guinness World Record) सत्र का हिस्सा बनकर जिले का मान बढ़ाया है।

डिजिटल हेल्थकेयर में जौनपुर की धमक: केंद्र और प्रदेश सरकार वर्तमान में स्वास्थ्य सेवाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) को शामिल करने के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि आम जनमानस को आधुनिक और सटीक उपचार मिल सके। इसी विजन को आगे बढ़ाते हुए नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज (NBEMS) द्वारा आयोजित 'AI इन हेल्थकेयर' के एक विशेष सत्र में इन चिकित्सकों ने प्रतिभाग किया। इस सत्र को विश्वभर में एक साथ 17,999 दर्शकों द्वारा लाइव देखा गया, जिसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने 'हेल्थकेयर लेसन की सबसे बड़ी लाइव स्ट्रीम' के रूप में आधिकारिक मान्यता दी है।

प्राचार्य ने मेडल पहनाकर किया सम्मानित (Facilitated): गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स संस्था द्वारा इस वैश्विक भागीदारी के लिए भेजे गए आधिकारिक मेडल (Medal) और प्रमाणपत्र (Certificate) प्राप्त होने पर, चिकित्सा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रोफेसर (डॉ.) आर. बी. कमल सर ने दोनों चिकित्सकों को विशेष रूप से सम्मानित किया। प्राचार्य ने डॉ. रुचिरा सेठी और डॉ. आदर्श यादव को मेडल पहनाकर बधाई देते हुए कहा, 'यह हमारे संस्थान के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है। हमारे चिकित्सक मोदी-योगी सरकार की डिजिटल नीतियों के अनुरूप आधुनिक तकनीक सीखकर जौनपुर की चिकित्सा सेवा को विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में अग्रसर हैं।'

तकनीकी नवाचार से बेहतर भविष्य का संकल्प: डॉ.रुचिरा सेठी और डॉ.आदर्श यादव ने अपनी इस अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि का श्रेय केंद्र व प्रदेश सरकार की 'एआई इन हेल्थकेयर' नीतियों और प्राचार्य के कुशल मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा और तकनीक का यह संगम आने वाले समय में गंभीर बीमारियों के सटीक निदान और स्वास्थ्य प्रबंधन में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर मेडिकल कॉलेज के समस्त फैकल्टी, स्टाफ और जनपद के प्रबुद्ध वर्ग ने खुशी जाहिर करते हुए दोनों चिकित्सकों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

अधूरी सड़क खुदाई से भड़के व्यापारी, गुरैनी बाजार में प्रदर्शन

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय राजमार्ग 135ए स्थित गुरैनी बाजार में मंगलवार को सड़क चौड़ीकरण कार्य अधूरा छोड़े जाने से नाराज व्यापारियों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित व्यापारियों ने सड़क किनारे एकत्र होकर प्रशासन व ठेकेदार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए जल्द समस्या के समाधान की मांग की।

साइड इंजीनियर प्रशांत कुमार मौर्या ने बताया कि गुरैनी बाजार में पहले से पुराना नाला था। सड़क चौड़ीकरण के तहत नए नाले का निर्माण कराया जा रहा है। जलजमाव की समस्या के कारण मिट्टी डालने का कार्य किया जा रहा है और जल्द ही काम पूरा कर समस्या का समाधान कर दिया जाएगा।

व्यापारियों का आरोप है कि करीब चार माह पूर्व सड़क चौड़ीकरण के नाम पर बाजार में सड़क के दोनों किनारों पर खुदाई कर दी गई, लेकिन अब तक कार्य पूरा नहीं कराया गया। सड़क किनारे लगभग 10 फीट चौड़ा और 5 फीट गहरा गड्ढा खोदकर छोड़ देने से ग्राहकों को दुकानों तक पहुंचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। न तो ग्राहक आसानी से गड्ढा पार कर पा रहे हैं और न ही वाहन खड़े हो पा रहे हैं, जिससे व्यापार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

प्रदर्शन का नेतृत्व व्यापार मंडल अध्यक्ष मसूद सिद्दीकी ने किया। इस दौरान ग्राम प्रधान बाबर सिद्दीकी समेत बड़ी संख्या में दुकानदार मौजूद रहे। व्यापारियों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

व्यापारियों ने ठेकेदार पर मनमानी का आरोप लगाते हुए कहा कि जहां चौड़ीकरण की आवश्यकता नहीं है, वहां काम शुरू कर दिया गया, जबकि बाजार के अंदर जरूरी स्थानों को अधूरा छोड़ दिया गया है। गड्ढों के कारण बाजार में जाम की स्थिति बन रही है, जिससे ग्राहक आने से कतरा रहे हैं और व्यापार ठप होने की कगार पर पहुंच गया है।

दुकानदारों का कहना है कि लगातार नुकसान के चलते उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। प्रदर्शन में हुजैफा, डॉ. अशोक कुमार, एहतेशाम, सुनील, मेवालाल, मो. फैसल, मो. हासिम, चुन्ना, संतलाल, शमीम अहमद, सुरेश कुमार, नेसार अहमद, भोला सहित अन्य लोग शामिल रहे।

किशोरी के अपहरण मामले में बाल अपचारी गिरफ्तार

रेलवे क्रॉसिंग के पास से पकड़ा गया

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत एक गांव निवासी किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने एक बाल अपचारी को गिरफ्तार कर चालान भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह ने बताया कि क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने अपनी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर भगाने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी थी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी। मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने नगर के रोडवेज के पास स्थित रेलवे क्रॉसिंग से आरोपी बाल अपचारी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई पूरी करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोपित चढ़ा पुलिस के हत्थे

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत एक गांव निवासी युवती नगर के एक अस्पताल में नर्स के रूप में कार्यरत थी ।युवती के साथ शादी का झांसा देकर एक युवक दुष्कर्म और बाद में दहेज की मांग करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर चालान भेज दिया। कोतवाली निरीक्षक तेज बहादुर सिंह के मुताबिक पीड़िता ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि सरपतहां थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव निवासी युवक दक्ष ने उसे प्रेम जाल में फंसाया और शादी का वादा किया। आरोप है कि युवक उसे बुढ़िया माई स्थान पर ले गया। जहां मंदिर में शादी का झांसा देकर औपचारिकता पूरी की। इसके बाद वह युवती को अपने रिश्तेदारी में ले गया ।और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। जब युवती ने उसके साथ घर चलने की बात कही तो आरोपी ने दहेज में आठ लाख रुपये नकद और एक चार पहिया वाहन की मांग कर दी। मांग पूरी न होने पर उसने युवती को अपने साथ रखने से इंकार कर दिया। घटना से आहत युवती ने पुलिस से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने दहेज उत्पीड़न और दुष्कर्म समेत संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी दक्ष को बड़ागांव स्थित ड्रीम पैलेस के पास से गिरफ्तार कर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर चालान भेज दिया।

क्षेत्राधिकारी केराकत अजीत कुमार रजक बने अपर पुलिस अधीक्षक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह द्वारा क्षेत्राधिकारी केराकत अजीत कुमार रजक को पुलिस उपाधीक्षक के पद से अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर प्रोन्नत होने पर आधिकारिक रूप से उनके कंधों पर अशोक स्तंभ (National

Emblem) लगाकर उन्हें नई जिम्मेदारी की बधाई दी गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर ने प्रोन्नत अधिकारी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि पद के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि अपर पुलिस अधीक्षक अजीत रजक अपनी नई भूमिका में और अधिक ऊर्जा व निष्ठा के साथ जनता की सेवा और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने में अपना योगदान देंगे।

हाईवे पर ट्रक की टक्कर से युवक की हालत गंभीर, चालक फरार

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के मिजार्मुराद ।स्थानीय थाना क्षेत्र के खजूरी स्थित नेशनल हाईवे पर सोमवार की शाम एक युवक को अज्ञात ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान खजूरी निवासी गुड्डू कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने एंबुलेंस की सहायता से उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। गुड्डू कुमार किसी कारणवश हाईवे को पैदल पार कर रहे थे। उसी दौरान वाराणसी से प्रयागराज की ओर जा रहे तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही युवक सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गया। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से प्रयागराज की दिशा में फरार हो गया। घटना की सूचना राहगीरों ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मिजार्मुराद पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक के परिजनों को सूचना देते हुए एंबुलेंस के जरिए पास के अस्पताल भिजवाया। डॉक्टरों के अनुसार युवक की हालत गंभीर बनी हुई है, उसे गंभीर हेड इंजरी हुई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और ट्रक चालक की तलाश में जुट गई है।

पीयू में 'भारतीय कॉर्पोरेट कार्यप्रणाली में उभरते मुद्दे और चुनौतियां' विषय पर होगी राष्ट्रीय संगोष्ठी

28 से 29 मार्च तक दो दिवसीय आयोजन में देश भर से जुटेंगे विशेषज्ञ

◆ कुलपति प्रो.वंदना सिंह ने सेमिनार का ब्रोशर किया जारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आगामी 28 एवं 29 मार्च को आयोजित होने वाली दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'भारतीय कॉर्पोरेट कार्यप्रणाली में उभरते मुद्दे और चुनौतियां' (EICCPI-2026) की तैयारियों ने जोर पकड़ लिया है। मंगलवार को कुलपति सभागार में कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह की अध्यक्षता में आयोजन समिति के सदस्यों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। इस अवसर पर कुलपति ने संगोष्ठी के आधिकारिक ब्रोशर का विमोचन किया।

कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में कॉर्पोरेट जगत और उसकी कार्यप्रणाली तेजी से बदल रही है। ऐसे में यह संगोष्ठी शोधार्थियों को नए तकनीकी और प्रबंधकीय बदलावों से रूबरू कराने का एक सशक्त माध्यम बनेगी। संगोष्ठी के संयोजक प्रोफेसर अविनाश डी. पाथर्डीकर ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस दो दिवसीय आयोजन में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञ अपने शोध पत्र और विचार साझा करेंगे। उन्होंने बताया कि संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य कॉर्पोरेट क्षेत्र की समसामयिक चुनौतियों पर गंभीर विमर्श करना है।

आयोजन को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विभिन्न समितियों का गठन कर उन्हें जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। बैठक में मुख्य रूप से प्रोफेसर प्रमोद कुमार, प्रोफेसर मुराद अली, आयोजन सचिव डॉ. आशुतोष सिंह, डॉ. रसिकेश, डॉ. आलोक कुमार गुप्ता और डॉ. सुशील कुमार समेत विभिन्न विभागों के शिक्षक और आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

'मिलेट्स रोड शो' का भव्य आयोजन, जनप्रतिनिधियों ने दिखाई हरी झंडी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मोटे अनाज (मिलेट्स) के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कृषि विभाग, शाहगंज द्वारा मंगलवार को स्थानीय तहसील परिसर में भव्य 'मिलेट्स रोड शो' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि संतोष पांडेय एवं तहसीलदार शाहगंज ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया।

रोड शो तहसील परिसर से प्रारंभ होकर ग्राम कौड़ियां स्थित मिनी औद्योगिक संस्थान के मैदान तक निकाला गया। इस दौरान प्रचार वाहनों एवं डीजे के माध्यम से मोटे अनाज के पोषण गुणों तथा उसकी खेती के लाभों की जानकारी ग्रामीणों को दी गई।

कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र राजभर तथा ग्राम कौड़ियां के प्रधान दुर्गा प्रसाद चौधरी अपने साथी कृषकों के साथ मौजूद रहे। आयोजन एडीओ कृषि धर्मेंद्र कुमार सरोज एवं नंद किशोर (एसएमएस) की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ, जबकि अध्यक्षता एडीओ कृषि धर्मेंद्र कुमार सरोज ने की।

रोड शो में बड़ी संख्या में कृषकों ने भाग लिया। इस दौरान कृषक उत्पादक समूह (एफपीओ) से जुड़े प्रगतिशील कृषक बृजेश यादव, अनिल यादव, मुकेश राजभर और तारक नाथ भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में किसानों को मिलेट्स की खेती अपनाने और इसे अपने दैनिक आहार में शामिल करने के लिए प्रेरित किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के सप्तम दिवस पर रक्तदान शिविर एवं समापन समारोह संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के समापन अवसर पर कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा मानवतावादी कार्य है। युवाओं की भागीदारी यह दशार्ती है कि वे समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझते हैं। जीवन में सफलता का मूल मंत्र समर्पण, अनुशासन और निरंतर प्रयास है, जिसे अपनाकर युवा निश्चित रूप से अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

मुक्तांगन परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ कुलपति प्रो. वंदना सिंह एवं कुलसचिव केशलाल के नेतृत्व में हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शशिकांत यादव एवं डॉ. अनुराग मिश्र ने स्वयं रक्तदान कर स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया, साथ ही कुल 35 स्वयंसेवकों ने रक्तदान कर मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

कुलसचिव केशलाल ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा किया गया यह रक्तदान समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। ऐसे कार्यों से युवाओं में सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना सुदृढ़ होती है।समापन समारोह आर्यभट्ट सभागार में आयोजित किया गया, जिसमें प्रत्येक इकाई से 5 उत्कृष्ट स्वयंसेवकों को कुलपति एवं कुलसचिव द्वारा सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुराग मिश्र द्वारा किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. अजय मौर्य, डॉ. विशाल यादव, डॉ. प्रमेन्द्र विक्रम सिंह, डॉ. शशिकांत यादव एवं डॉ. अनुराग मिश्र उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में स्वयंसेवक ईशांत यादव, अभिनव कीर्ति पांडेय, प्रियांशी मौर्य, सुमित सिंह, प्रिया मौर्य, प्रभात तिवारी, मनीष जायसवाल, हिमांशु मिश्रा, सानिध्य मिश्रा, मुस्कान यादव, संजना यादव, आदिया गुप्ता, हिमांशु गुप्ता, संस्कृति अस्थाना सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे।

दस वर्षों के कानूनी संघर्ष के बाद मिला नियुक्त पत्र, अभ्यर्थियों के चेहरे खिले

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में 29334 गणित-विज्ञान पदों पर पिछले दस वर्षों के कानूनी संघर्ष के बाद आखिरकार नियुक्त पत्र मिल गया। सोमवार को देर शाम जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ० गोरखनाथ पटेल ने जारी कर दिया।

ये अभ्यर्थी वर्ष 2014 में प्रदेश के किसी न किसी जिले में काउंसिलिंग कराये थे लेकिन नियुक्ति पत्र नहीं मिल सका था। इस सम्बन्ध में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वर्ष 2016 में पहली याचिका दाखिल की गई थी। 2017 में अभ्यर्थियों के पक्ष में आदेश हुआ जिसे सरकार द्वारा न स्वीकार किये जाने पर 2018 में अवमानना याचिका दाखिल की गई। सरकार मामले को लेकर डिवीजन बेंच में गई जहां उसकी याचिका खारिज कर दी गई तथा अभ्यर्थियों के पक्ष में सिंगल बेंच का निर्णय यथावत रखा गया। सरकार मामले में राहत पाने के लिए सुप्रीम कोर्ट गई जहां याचियों को याची लाभ देते हुए नियुक्ति पत्र देने का आदेश जारी हुआ। जनपद जौनपुर में कुल 18 लोगों को मूल अभिलेखों के सत्यापन के लिए बुलाया गया। सत्यापन के पश्चात सोमवार को अर्हताधारी अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र जारी कर दिया गया।

गौरतलब है कि वर्ष 2013 में विज्ञापित इन पदों के लिए ज्यादातर अभ्यर्थियों को वर्ष 2015 में ही नियुक्ति पत्र मिल गया था लेकिन इन अभ्यर्थियों को लम्बा कानूनी संघर्ष करना पड़ा। नियुक्ति पत्र जारी किये जाने पर कुंवर विक्रम सिंह, अमित मिश्रा, प्रदीप यादव, भूपेश त्रिपाठी, शैलेश गुप्ता आदि ने प्रसन्नता व्यक्त की।

बदलापुर में 6.2 किमी सड़क के चौड़ीकरण का शिलान्यास, 11.74 करोड़ की लागत से होगा निर्माण

सिंगरामऊ-लालगंज-कुधुआ-गौरामाफी मार्ग बनेगा मजबूत, जौनपुर-प्रतापगढ़ कनेक्टिविटी को मिलेगा बढ़ावा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर विधानसभा क्षेत्र में लंबे समय से क्षेत्रवासियों की मांग सिंगरामऊ-लालगंज-कुधुआ-गौरामाफी मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का भूमिपूजन कर शिलान्यास मंगलवार को बदलापुर विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने किया। 6.2 किमी लंबी इस महत्वपूर्ण सड़क का निर्माण 11 करोड़ 74 लाख रुपये की लागत से कराया जाएगा, जिससे आवागमन सुगम होने के साथ दो जनपदों के बीच संपर्क और मजबूत होगा।

विधायक ने बताया कि जनपद जौनपुर और प्रतापगढ़ को जोड़ने वाले इस प्रमुख मार्ग के निर्माण से क्षेत्र के हजारों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। सड़क के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण से यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और स्थानीय व्यापार व विकास को गति मिलेगी।

विधायक ने कहा कि यह सड़क क्षेत्र के विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके निर्माण से न सिर्फ आवागमन सुगम होगा बल्कि जौनपुर और प्रतापगढ़ के बीच आर्थिक एवं सामाजिक गतिविधियों को भी नया आयाम मिलेगा। हमारी सरकार लगातार बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सड़क बनने से क्षेत्र की तस्वीर बदल जाएगी।

कार्यक्रम में श्री कुंवर जय सिंह 'जय बाबा', बद्री नारायण शास्त्री, कैप्टन रामगुन मिश्र, लाल बाबा महाराज, लवकुश सिंह, अशोक मौर्य, विनोद तिवारी, अशोक उपाध्याय, जेलर मौर्य, अशोक मिश्र, श्याम नारायण तिवारी, राकेश तिवारी, दयाशंकर सिंह, वीरबहादुर सिंह, राधेकांत मिश्र, राधारमन तिवारी, धर्मराज सरोज, पप्पू रजक, राजेंद्र मौर्य समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

सड़क किनारे फाइल जलाते बैंक मैनेजर का वीडियो वायरल, जांच की मांग

ओबरा, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। नगर के चोपन रोड स्थित गुरुद्वारे के पास एक निजी बैंक के मैनेजर द्वारा सड़क किनारे फाइलें जलाने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। बताया जा रहा है कि उक्त बैंक के मैनेजर रवि शंकर पांडे को उच्च अधिकारियों द्वारा पुरानी फाइलों के निस्तारण का निर्देश दिया गया था। इसी के तहत मंगलवार सुबह लगभग 11 बजे मैनेजर स्वयं बैंक के सामने सड़क किनारे फाइलों को आग के हवाले करते नजर आए। मौके पर मौजूद लोगों ने जब इसका कारण पूछा, तो उन्होंने कथित तौर पर कहा कि 'आप वीडियो बना लीजिए और इसे वायरल कर दीजिए, मैं यहीं फाइलें जलाऊंगा।' एक जिम्मेदार पद पर तैनात बैंक अधिकारी द्वारा इस तरह सार्वजनिक स्थान पर फाइलें जलाना लोगों के बीच सवाल खड़े कर रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि फाइलों के निस्तारण के लिए निर्धारित प्रक्रिया होती है, ऐसे में खुलेआम सड़क किनारे जलाना नियमों के विपरीत प्रतीत होता है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ फाइलें जलाने के बाद शेष दस्तावेजों को बोरे में भरकर टोटो के माध्यम से कहीं और भिजवा दिया गया। फिलहाल यह मामला जांच का विषय बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने संबंधित अधिकारियों से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम प्रधानों, पंचायत सचिवों और पंचायत सहायकों को दिया गया प्रशिक्षण

कादीपुर ब्लॉक सभागार में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजना (जीपीडीपी) अंतर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण का समापन

सुल्तानपुर (उत्तरशक्ति)। कादीपुर ब्लॉक सभागार में मंगलवार को राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजना (जीपीडीपी) अंतर्गत ग्राम पंचायत सचिवों, ग्राम प्रधानों एवं पंचायत सहायकों के दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। ग्रामीण क्षेत्र को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रशिक्षण में बड़ी संख्या में प्रधान, ग्राम पंचायत सचिवों सहित महिलाओं ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित लोगों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

मुख्य प्रशिक्षक प्रदीप कुमार तथा सूर्यभान पटेल ने बताया कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर रोजगार बढ़ाना है ताकि वे अपने हुनर के माध्यम से स्वयं का रोजगार शुरू कर सकें। साथ ही परिवार की आय में सहयोग दे सकें। संचालन प्रशिक्षक अभय कुमार ने किया। इस अवसर पर बीडीओ राधेश्याम, एडीओ पंचायत अशोक कुमारी, ग्राम पंचायत सचिव गण अतुल सिंह, विनोद कुमार, अरुण कुमार, प्रधान गण मुन्नालाल, धनीराम गौड़, प्रदीप कुमार, पंचायत सहायक गण साक्षी सिंह, माधुरी, शैलेंद्र कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

दुर्गा माताजी धर्मार्थ चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई साकी नाका के खैरानी रोड स्थित दुर्गा माताजी धर्मार्थ चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि.) द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह पावन कथा परम पूजनीय महाराज श्री रसराज मृदुल जी महाराज (वृंदावन) के मुखारविंद से सुनाई जा रही है, जिसमें भक्तगण भावविभोर होकर कथा का रसपान कर रहे हैं। कथा के दौरान स्थानीय विधायक दिलीप मामा लांडे ने उपस्थित होकर व्यासपीठ पर विराजमान महाराज जी का माल्यार्पण कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। कथा में दूर-दराज से आए श्रद्धालु भक्तगण बड़ी संख्या में शामिल होकर श्रद्धा के साथ कथा श्रवण कर रहे हैं और अपने जीवन को धन्य मान रहे हैं। इस आयोजन को सफल बनाने में ऊषा किरण द्विवेदी, चंदन दुबे, प्रमोद गुप्ता सहित ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय श्रद्धालु सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं।

कांदिवली लोखंडवाला में गैस सिलिंडर के लिए हाहाकार, स्थिति नाजुक

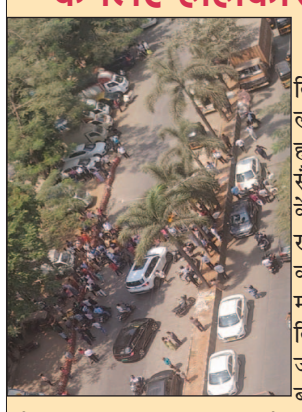

-मनोज राय

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पिछले 3 दिनों से कांदिवली पूर्व के क्रांतिनगर लोखंडवाला में गैस सिलिंडर के लिए हाहाकार मचा हुआ है। 3 दिनों से सैकड़ों की संख्या में लोगों के सिलिंडर के इंतजार में कड़ी धूप में 8 से 10 घंटे खड़े होने के बावजूद गाड़ी न आने के कारण सिलिंडर नहीं मिल रहा है। मंगलवार को लोगों का धैर्य जवाब दे दिया। हंगामा करते हुए लोगों ने चक्का जाम कर दिया। पुलिस के समझाने के बाद लोग सड़क के बीच से तो हट गए लेकिन बिना सिलिंडर लिए वहां से न हटने पर अड़े हुए हैं। समाचार लिखने तक सैकड़ों की भीड़ अभी भी वहां जमा है। एल पी जी गैस सिलिंडर की समस्या से निपटने के लिए सरकार द्वारा जारी किए गए हेल्प लाइन नंबर 9769919221 पर सोमवार से ही उत्तर शक्ति लगातार संपर्क में है। अधिकारियों से लगातार बात की जा रही है। मंगलवार को उत्तर शक्ति को अधिकारियों ने बताया कि लालजी गैस एजेंसी वाले घर-घर सिलिंडर पहुंचाने के लिए बोल रहे हैं। एजेंसी वालों का कहना है कि लाइन लगाने की जरूरत नहीं है। उधर लालजी गैस के एक कस्टमर डॉक्टर अरुण राय का कहना है कि लालजी गैस एजेंसी वाले 7 मार्च से ही कॉल रिसीव नहीं कर रहे हैं। ऑन लाइन बुकिंग सिस्टम का भी नंबर बंद हैं। एजेंसी वालों का यह रवैया गलत है। ग्राहक के अधिकारों का उल्लंघन है। एक और ग्राहक का कहना है कि एक तरफ सरकार कह रही है कि एल पी जी गैस की कोई कमी नहीं है। अफवाहों पर ध्यान न दें। लेकिन यदि गैस एजेंसी वाले कॉल रिसीव नहीं करेंगे। बुकिंग सिस्टम बंद कर देंगे। ऐसे में पब्लिक में घबराहट फैलना स्वाभाविक है। कांदिवली पूर्व लोखंडवाला सर्कल के पास सूर्य किरण बिल्डिंग के सामने पिछले 3 दिनों से प्रतिदिन सुबह 6 बजे से धूप में सैकड़ों की संख्या में लोग सिलेंडर के लिए लाइन में खड़े रहते हैं। कड़ी धूप में 9 घंटे खड़े होने के बाद भी गाड़ी नहीं आती। लोगों का यह कहना है कि आज के डिजिटल युग में लाल जी गैस एजेंसी को अपने सभी कस्टमर के मोबाइल पर सही स्थिति की जानकारी देते रहनी चाहिए। आप भले ही कॉल रिसीव न करें लेकिन मोबाइल पर मैसेज तो भेज ही सकते हैं। गाड़ी कितने बजे आएगी ? आएगी कि नहीं आएगी इसकी पूरी जानकारी अपने सभी कस्टमर के मोबाइल प्रसारित करनी चाहिए। इससे लोग धूप में कई कई घंटे लाइन लगाने से बच जाएंगे और अफरा तफरी भी नहीं मचेगी।

न्यायमूर्ति चंद्रधारी सिंह ने मां शीतला चौकिया महारानी के दरबार में मत्था टेका और कहा यह हमारी कुल देवी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिद्ध पीठ शीतला धाम चौकिया में आज न्यायमूर्ति चंद्रधारी सिंह ने मां शीतला चौकिया महारानी के दरबार में मत्था टेक मां का आशीर्वाद लिया और उन्होंने कहा कि शीतला चौकिया माता हमारी कुलदेवी यहां पर उनका मुंडन भी हुआ है और यहां से दर्शन करने के बाद उनके परिवार के लोग विंध्याचल जाते है इन्होंने माता को लाल चुनरी पहनाकर माता के चरणों में पुष्प रखकर हाथ जोड़कर प्रार्थना की सबका कल्याण हो मंगलकामना कि मौके पर शीतला धाम चौकिया मंदिर महंत विवेकानंद महाराज मंदिर के अध्यक्ष विकास पंडा ने श्री सिंह को लाल चुनरी और मां शीतला की छायाचित्र देकर सम्मानित किया इस मौके पर चंद्र देव, मुक्तेश्वर सोनू,सौरव, राजेश श्रीवास्तव, मणिशंकर एवं आशीष माली मौजूद रहे।

एआई शोध में पीयू के छात्र को मिला अंतरराष्ट्रीय बेस्ट पेपर अवार्ड

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग के लिए गर्व का क्षण है। विभाग के एमटेक छात्र मो. मुज्तबा अख्तर ने दुबई में आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इंफॉर्मेशन सिस्टम डिजाइन एंड इंटेलिजेंट एप्लीकेशन-2026 में अपने शोधपत्र का प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण कर बेस्ट पेपर अवार्ड प्राप्त किया है। यह शोधकार्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) और प्राकृतिक भाषा संसाधन (NLP) के उन्नत प्रयोग पर आधारित है, जिसमें मैनिपुलेटेड (छेड़छाड़ की गई) स्पीच की पहचान करने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों का विकास किया जा रहा है। यह शोध न केवल तकनीकी दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि डिजिटल सुरक्षा और सूचना की विश्वसनीयता के क्षेत्र में भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। उक्त शोधकार्य कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा के कुशल निर्देशन में संपन्न हो रहा है, जिनके मार्गदर्शन में छात्र निरंतर नई ऊँचाइयों को प्राप्त कर रहे हैं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने भी मुज्तबा अख्तर को सम्मानित करते हुए उनके शोधकार्य की सराहना की और इसे विश्वविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियां विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और शोध संस्कृति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करती हैं। मो. मुज्तबा अख्तर की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल, आईक्यूएसी चेयरमैन प्रो. गिरिधर मिश्र, परीक्षा नियंत्रक।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मासूम की मौत, परिवार में मचा कोहराम

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के धरौरा गांव में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 5 वर्षीय मासूम की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार धरौरा निवासी लखेंद्र बनवासी का पुत्र शनि बनवासी गांव के बगीचे में खेल रहा था। खेलते-खेलते वह हुरुहुरी गांव स्थित एसडी पब्लिक स्कूल के पास केराकत-जौनपुर मार्ग पर पहुंच गया। इसी दौरान जौनपुर की ओर जा रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही मासूम सड़क किनारे जा गिरा। घटना को देख आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए, लेकिन तब तक वाहन चालक वाहन समेत फरार हो चुका था। सूचना मिलते ही पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे और घायल बच्चे को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अज्ञात वाहन की तलाश में जुट गई है। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

स्मृतिशेष चंद्रशेखर शुक्ल बेबी भइया की प्रथम पुण्यतिथि पर उमड़ा जनसैलाब, संभ्रांतजनों ने दी श्रद्धांजलि

सुल्तानपुर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र से लेकर उत्तर प्रदेश एवं अन्य राज्यों में समाज गौरव,समाज रत्न जैसे अनेक सम्मान से अलंकृत तथा गरीबों, असहायों के हित में समर्पित जीवन जीने वाले लोकाधिकार सेवा समिति के संस्थापक एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुविख्यात लोकप्रिय समाजसेवी युगपुरुष स्मृतिशेष चंद्रशेखर शुक्ल बेबी भइया की प्रथम पुण्यतिथि उनके ज्येष्ठ सुपुत्र लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल रिंकू भइया छोटे सुपुत्र प्रशांत चंद्रशेखर शुक्ल,जयसिंहपुर ब्लॉक प्रमुख राहुल चंद्रशेखर शुक्ल के संयोजन में 23 मार्च 2026, दिन सोमवार को उनके पैतृक गांव रेवारी, बेलहरी (जनपद सुल्तानपुर) में मनाई गई। इस अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे उत्तर प्रदेश राज्यपाल के पूर्व विधिक सलाहकार एस एस उपाध्याय, विभाग प्रचारक श्रीप्रकाश जी,जिला प्रचारक आशीष जी,भाजपा जिला अध्यक्ष सुशील त्रिपाठी,सदर जयसिंहपुर विधायक राजप्रसाद उपाध्याय,पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ आर ए वर्मा, कादीपुर विधायक राजेश गौतम, बदलापुर विधायक रमेशचंद्र मिश्रा, एडीजे प्रथम राकेश कुमार शुक्ला, सुल्तानपुर पीटीएस अधीक्षक बृजेश मिश्रा,वरिष्ठ एनसीपी नेता श्रीकांत मिश्रा भदोही,सुल्तानपुर डीपीआरओ अभिषेक शुक्ला, पूर्व मुख्यमंत्री के सुपुत्र प्रमोद मिश्रा, भाजपा नेता डॉ सीता शरण त्रिपाठी, पूर्व विधायक अर्जुन सिंह, डॉ. डी.एस मिश्रा,पूर्व विधायक भगेलूराम,कांग्रेसी नेता रामआर्य पाठक,हरीश त्रिपाठी, एड प्रदीप पाठक,भाजपा नेता रामचंद्र मिश्रा,भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष जगजीत सिंह छंगू,भाजपा नेता विजय त्रिपाठी, डिप्टी डायरेक्टर सर्वेश पांडेय, प्रो.सुशील पांडेय,डॉ प्रशांत शुक्ला, एक्ससीएन पीडब्ल्यूडी नरेंद्र सिंह लखनऊ,डॉ प्रशांत देव शुक्ला प्रतापगढ़,शिव नारायण पंडित प्रतापगढ़, शैलेन्द्रमणि त्रिपाठी मिल्कीपुर, एनआरएलएम के डी गोस्वामी, एसडीएम विपिन कुमार द्विवेदी, तहसीलदार देवानंद त्रिपाठी, एसडीएम जयसिंहपुर प्रभात सिंह, सुलतानपुर नगरपालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, जयसिंहपुर तसीलदार मयंक मिश्रा, नायब सदर धर्मेंद्र यादव, एसीओ चकबंदी निर्भय द्विवेदी, मोतिगरपुर ब्लॉक प्रमुख चंद्रप्रताप सिंह,कादीपुर ब्लॉक प्रमुख प्र.डॉ श्रवण मिश्रा, करौंदी ब्लॉक प्रमुख प्र.सर्वेश मिश्रा,दूबेपुर ब्लॉक प्रमुख प्र.अखिलेश सिंह डिम्पल, कूरेभार ब्लॉक प्रमुख प्र.सोनू सिंह, पूर्व ब्लॉक प्रमुख राजमणि वर्मा, जिला पंचायत सदस्य नंदन चौबे,ओ पी चौधरी, सोनू शुक्ला, किरन यादव,पवन कुमार, बिजनेसमैन आलोक तिवारी, जयसिंहपुर कोतवाल प्रमोद मिश्रा,भाजपा नेता आलोक आर्या, शब्द वैज्ञानिक महाकवि त्रिफला, प्रतीक मिश्र भदोही,दिनेश मिश्र,प्रकाश मिश्र प्रतापगढ़, भाजपा नेता रितेश दुबे,भाजपा नेता जय भारत, भाजपा नेता भाजपा नेता सभाजीत पांडेय, शिव नायक तिवारी,एड सुभाष तिवारी, जयशंकर त्रिपाठी और पूर्व जिला पंचायत सदस्य डॉ सी बी शुक्ल, राजेंद्र श्रीवास्तव,बाबा शुक्ला, दिवाकर मिश्रा,बी बी सिंह, दुर्गेश दुबे,पूर्व प्रधान नंदन शुक्ला, किन्नू तिवारी, बबलू शुक्ला, महाराष्ट्र शासन विशेष कार्यकारी अधिकारी आदेश मिश्र,रत्नेश शुक्ल, उदयभान शुक्ल,आचार्य नीरज मिश्रा,अरविंद तिवारी, बालचंद पांडेय,पिंकू सिंह, संदीप दुबे,नवीन सिंह,संजीत सिंह, विजय सिंह,सुनील वर्मा, पंच बहादुर वर्मा,अमर बहादुर सिंह,बालेंद्र प्रताप सिंह,कुलदीप सिंह,हैपी सिंह,प्रधान रौनक सिंह,प्रधान डिकू सिंह,प्रधान रामकेवल,आशुतोष पांडेय,डॉ नीरज पांडेय, संदीप शुक्ल, सुनील शुक्ला संजय, हरीश दुबे, सतीश पांडेय,पूर्व प्रधान बबलु मिश्रा, हैपी पांडेय, बबलू तिवारी, अंजनी यादव,आकाश दुबे,राकेश पांडेय,गौरव पांडेय, अवधेश तिवारी,कपीस यादव,गुरुप्रसाद मिश्रा,बशिष्ठ पांडेय, शैलेंद्र गुप्ता,एड प्रवीण शुक्ला,अभिषेक पांडेय,अनुपम पाठक,डॉ अमरनाथ शर्मा, डॉ सिंटू श्रीवास्तव, गौरव पांडेय,अमित तिवारी,गुड्डू शुक्ला, प्रदीप जायसवाल,पुष्कर, प्रथम, प्रत्यूष शुक्ल,तनय मिश्रा एवं मान्यता प्राप्त पत्रकार बृजेश उपाध्याय, नीरज तिवारी,संजय सिंह,शशि दुबे,रोहित पाठक,अजय दुबे,अभयराज वर्मा,सुनील राठौर,अमरीश मिश्रा,आलोक जी,बाबा संदीप श्रीवास्तव सहित अन्य पत्रकार बंधु तथा तमाम जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षाविद, समाजसेवी, प्रधान, बीडीसी सहित क्षेत्र के हजारों शुभचिंतकों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उपस्थित विधायक रमेशचंद्र मिश्रा ने कहां कि समाजसेवा कैसे किया जाता है ये मैने बेबी भइया से सीखा है.और स्मृतिशेष बेबी भइया ने समाज सेवा में एक मिशाल कायम की है. उन्होंने 1280 निर्धन कन्याओं का स्वनिधि से सर्वजातीय सामूहिक विवाह समारोह आयोजन कर बेटियों का विवाह कराया और निः शुल्क कंबल वितरण,चश्मा वितरण, मोतियाबिंद का ऑपरेशन, विकलांगों को ट्राई साइकिल, जरूरत मंद विद्यार्थियों को उनके पढ़ने का खर्च,कैंसर जैसे भयानक बीमारियों का इलाज कराना रामलीला मंचन,कजरी महोत्सव, कवि सम्मेलन,बंदी सुधार अभियान के तहत कारागार में मानस प्रवचन कराना ये सब बेबी भइया ही कर सकते है।विधायक राजप्रसाद उपाध्याय ने कहां कि बेबी भइया के परिवार और उनके सुपुत्र प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल रिंकू, प्रशांत चंद्रशेखर शुक्ल,जयसिंहपुर ब्लॉक प्रमुख राहुल चंद्रशेखर शुक्ल के साथ और उनके सहयोग में मै हमेशा खड़ा रहूंगा। जिले और प्रदेश से लेकर महाराष्ट्र तक जब भी बात होगी तो सबसे पहले सुविख्यात समाजसेवा में बेबी भइया का नाम बहुत गर्व से लिया जाएगा।

वडाला पश्चिम निवासी के के मिश्रा बच्चन की धर्मपत्नी का त्रयोदशी आज

मुंबई (उत्तरशक्ति) । पंडित समाजसेवी व ओडिसी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी वडाला पश्चिम के संचालक तथा दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र संरक्षक कृष्णकांत मिश्रा बच्चन की धर्मपत्नी श्रीमती ऊषा मिश्रा का आकस्मिक निधन दिनांक 13 मार्च 2026 दिन शुक्रवार को प्रातः 8 बजे एक निजी अस्पताल पर निधन हो गया था। श्रीमती ऊषा मिश्रा एक सरल,सहज,मृदुभाषी एवं धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी।समाज के लिए भी उन्होंने अनेक उल्लेखनीय कार्य किए। समाजिक कार्य में वे सदैव अग्रणी भूमिका निभाती थी । उनके निधन पर कई गणमान्य लोगों ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लोगों ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि ईश्वर परिवार वालों को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। त्रयोदशी आज दिनांक 25 मार्च 2026 दिन बुधवार को ब्रह्मभोज का आयोजन किया गया है। स्थान 189 नजरथ मेंशन रोड संख्या 57 वडाला पश्चिम नियर एस आई डब्ल्यू एस कालेज वडाला पश्चिम में आयोजित किया गया है। शोकाकुल परिवार पुत्र डॉ सागर मिश्रा, पुत्र वधू श्रीमती प्रियंका मिश्रा , पुत्र अमन मिश्रा कमलाकांत मिश्रा , शिवाकांत मिश्रा, अशोक मिश्रा , संतोष मिश्रा, सुनील मिश्रा , सौरभ मिश्रा , प्रथमेश मिश्रा, शुभम मिश्रा ने सभी सगा-संबंधी, शुभचिंतकों एवं मित्र गणों से निवेदन किया है कि ठीक समय पर पधार कर तेरहवीं ब्रह्मभोज में सम्मिलित हो कर हमें अनुग्रहित करें। अधिक जानकारी के लिए कृष्णकांत मिश्रा बच्चन से मोबाइल नंबर 9820172787 संपर्क कर सकते है।

बदलापुर में क्रांतिकारियों की मूर्तियां तोड़े जाने के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में नगर निगम परिसर में स्थापित आजादी आंदोलन के महान क्रांतिकारी एवं काकोरी कांड के अमर शहीद राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान व रोशन सिंह की प्रतिमाओं को देर रात बुलडोजर से ध्वस्त किए जाने की घटना के विरोध में मंगलवार को बदलापुर में जोरदार प्रदर्शन हुआ। इस घटना से पूरे प्रदेश में आक्रोश व्याप्त है। बताया गया कि नगर निगम प्रशासन द्वारा रात करीब 3 बजे कार्रवाई करते हुए प्रतिमाओं को हटाकर कथित रूप से अपमानजनक तरीके से कूड़ेदान में डाल दिया गया, जिसे लोगों ने निंदनीय और आपराधिक कृत्य बताया। इस विरोध में 24 मार्च 2026 को काकोरी एक्शन शताब्दी वर्ष आयोजन समिति, जौनपुर के तत्वावधान में बदलापुर के इंदिरा चौक पर प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदर्शन से पूर्व जौनपुर रोड स्थित सब्जी मंडी से एक विशाल जुलूस निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र, नौजवान और महिलाएं शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए मांग की कि शाहजहांपुर नगर निगम परिसर में राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान, राजेंद्र नाथ लाहिड़ी व रोशन सिंह की प्रतिमाओं को पुनः स्थापित किया जाए तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर उदाहरण प्रस्तुत किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला सचिव प्रमोद कुमार शुक्ल ने तथा संचालन जिला उपाध्यक्ष दिलीप कुमार खरवार ने किया। इस दौरान इंदुकुमार शुक्ल, मिथिलेश कुमार मौर्य, संतोष कुमार प्रजापति, अंजली सरोज, अपर्णा शुक्ला समेत कई वक्ताओं ने संबोधित किया। प्रदर्शन में लालताप्रसाद यादव, मनोज कुमार विश्वकर्मा, राजेंद्र प्रसाद तिवारी, विजय प्रकाश गुप्ता, लालता प्रसाद मौर्य, शिवभवन सिंह, शैलेंद्र कुमार, अनुष्का शुक्ला, विनोद मौर्य, राकेश मौर्य, राकेश निषाद, सुविता, इदरीश अहमद, आजाद गुप्ता, अरविंद तिवारी, अंबुज खरवार, छोटेलाल मिश्र, धनंजय सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

जाम में जौनपुर बेहाल, ट्रैफिक व्यवस्था पर उठे सवाल

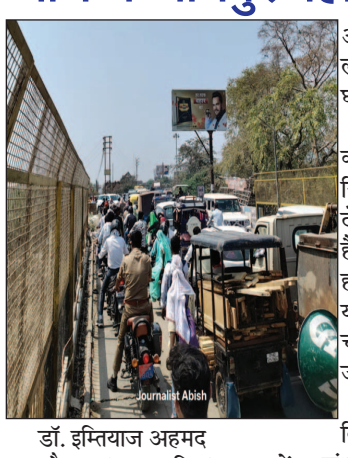

डॉ. इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर में इन दिनों भीषण जाम की समस्या ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। हालात यह हैं कि सिपाह रिवर से लेकर जेसीस चौराहा और वहां से ओलंदगंज तक रोजाना लंबा जाम लग रहा है, जिससे आमजन को घंटों परेशानी झेलनी पड़ रही है।

शाम होते ही सड़कों पर ट्रकों की लंबी कतारें लग जाती हैं, जिससे छोटी गाड़ियां और दोपहिया वाहन रेंगते नजर आते हैं। ओलंदगंज से कसेरी बाजार होते हुए कोतवाली क्षेत्र तक यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है, जहां हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि ऐसे समय में ट्रैफिक व्यवस्था संभालने वाला जिम्मेदार अमला मौके से नदारद रहता है। लोगों का कहना है कि ट्रैफिक व्यवस्था अब सिर्फ चालान तक सीमित होकर रह गई है। एक ओर जहां हेलमेट, नो पार्किंग और अन्य नियमों के नाम पर आम नागरिकों का चालान किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कई जगह पुलिसकर्मी खुद ही नियमों की अनदेखी करते दिखाई देते हैं।

नागरिकों का मानना है कि केवल बैठकों और कार्रवाई के आंकड़ों से ट्रैफिक व्यवस्था नहीं सुधर सकती। इसके लिए जमीनी स्तर पर सक्रियता जरूरी है। प्रमुख चौराहों पर नियमित पुलिस तैनाती और भारी वाहनों के प्रवेश पर नियंत्रण से ही जाम की समस्या पर काबू पाया जा सकता है।

शहरवासियों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि इस गंभीर समस्या का तत्काल संज्ञान लेते हुए प्रभावी कदम उठाए जाएं, ताकि जौनपुरवासियों को रोजाना लगने वाले जाम से राहत मिल सके।

सिलिंडर ब्लास्ट की 10 तस्वीरें: सुबह-सुबह तेज धमाके से दहल उठा इलाका, चीख रहे थे मलबे में दबे लोग!

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के लहरतारा निजी बस अड्डे के पास मंगलवार की सुबह मकान में गैस सिलिंडर ब्लास्ट से भाई और बहन की मौत हो गई। ब्लास्ट से गिरे मकान के मलबे में दबकर परिवार के बुजुर्ग समेत चार सदस्य घायल हो गए। मौके पर वरुणा जोन की पुलिस, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वायड ने छानबीन की। सभी घायलों को बीएचयू ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया। जहां ओम कुमार चौधरी (30) और प्रीति (27) की मौत हो गई। जबकि परिवार के अमन चौधरी (31), बुजुर्ग गिरजा देवी (60) घायल हैं मलबा हटाने की प्रक्रिया में नगर निगम की टीम जुटी हुई है। फायर ब्रिगेड और फॉरेंसिक टीम, बम निरोधक दस्ता छानबीन कर रही है। घटनास्थल पर चश्मदीद डॉ. राजकुमार मौर्य ने बताया कि सुबह 7.30 बजे के पास अचानक से तेज धमाका हुआ। बाहर निकलकर देखा तो मलबे में दबे लोग चीख पुकार रहे थे। सभी ने आनन-फानन मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला और अस्पताल भिजवाया। उधर, मोहल्ले का एक व्यक्ति अपने कुत्ते को लेकर गली से गुजर रहा था तभी तेज विस्फोट हुआ। मकान का मलबा तुरंत गली में फैल गया। अंदर लोग दब गए।स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना देने के साथ ही राहत बचाव कार्य शुरू किया। अंदर फंसे लोगों को मलबे के बाहर निकाला गया। फिर बीएचयू ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया। इलाज के दौरान बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में ओम कुमार चौधरी (30) और प्रीति (27) की मौत हो गई। जबकि परिवार के अमन चौधरी (31), बुजुर्ग गिरजा देवी (60) घायल हैं। वहीं हादसे के बाद मौके पर वरुणा जोन की पुलिस, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वायड ने छानबीन की। साथ ही जेसीबी की मदद से मलबे को हटाया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर का समापन, समाज सेवा का संदेश

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। फरीदुल हक मेमोरियल पीजी कॉलेज, सबरहद में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के विशेष शिविर का समापन समारोह उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए विभिन्न सामाजिक विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम का शुभारंभ रिंका और एकता चौधरी द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत से हुआ। इसके बाद अक्सा जुबेर ने दहेज प्रथा पर अपने विचार व्यक्त करते हुए इसे समाज के लिए अभिशाप बताया और इसके उन्मूलन के लिए एकजुट होने की अपील की। शमा परवीन ने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि बढ़ते प्रदूषण के प्रति लोगों को सजग होने की आवश्यकता है। वहीं साबरीन ने भ्रूण हत्या जैसे गंभीर मुद्दे पर विचार रखते हुए कहा कि महिला समाज की शक्ति है और उसके बिना समाज अधूरा है। समारोह की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. तबरेज आलम ने राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह योजना छात्रों के व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ समाज सेवा का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि एनएसएस के जरिए युवाओं को जल संरक्षण, मृदा संरक्षण, वृक्षारोपण और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूक किया जाता है। कार्यक्रम के अंत में उप प्राचार्य डॉ. निजामुद्दीन ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी ओम प्रकाश चौरसिया, डॉ. शिव प्रसाद यादव, शाहबाज आलम, डॉ. संजय कुमार यादव, सूर्य प्रकाश यादव, सिमरन बनो, मो. सैफ, अशरफ, काजल खुशी, रागिनी, रानिका कन्नौजिया सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सम्राट अशोक की 2370वीं जयंती पर पटना में 26 मार्च को भव्य रथ यात्रा व अशोक रत्न अवार्ड 2026 का आयोजन

पटना। अखिल भारतीय युवा कुशवाहा समाज (भारत) के द्वारा महान सम्राट अशोक की 2370 वीं जयंती समारोह, सम्राट अशोक रत्न अवार्ड 2026 सह भव्य रथ यात्रा के आयोजन को लेकर पटना में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नागमणि कुशवाहा ने जानकारी दी कि यह भव्य कार्यक्रम 26 मार्च 2026 को आयोजित किया जाएगा, इसी को लेकर यह प्रेस वार्ता आयोजित की गई है।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसकी शुरूआत वर्ष 2009 से लगातार की जा रही है। इस आयोजन में देश के 22 राज्यों से कुशवाहा, सैनी, शाक्य, मौर्य, कोइरी, माली, दांगी, महतो समेत विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों के साथ सम्राट अशोक को मानने वाले हजारों लोग शामिल होंगे।

Amazon MX Player ने 'फटाफट' लॉन्च किया भारत में माइक्रो-ड्रामा अब बिल्कुल मुफ़्त

मुंबई। भारत की अग्रणी मुफ़्त प्रीमियम स्ट्रीमिंग सेवा Amazon MX Player ने आज 'फटाफट' के लॉन्च की घोषणा की, जो एक नया माइक्रो ड्रामा मंच है जिसे उन मोबाइल फर्स्ट दर्शकों के लिए तैयार किया गया है जो छोटी, रोचक कहानियों का आनंद लेते हैं। फटाफट के जरिये Amazon MX Player तेजी से उभरती माइक्रो ड्रामा श्रेणी में कदम रख रहा है और भारत में पहली बार प्रीमियम, धारावाहिक माइक्रो-ड्रामा को पूरी तरह मुफ़्त उपलब्ध कराया है। यह लॉन्च देशभर के दर्शकों तक बिना किसी शुल्क के उच्च गुणवत्ता वाला मनोरंजन पहुंचाने कीAmazon MX Player की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। माइक्रो ड्रामा तेजी से बढ़ते वैश्विक फॉर्मैट के रूप में उभरा है, जिसमें छोटे, तेज रफ़्तार एपिसोड होते हैं, जो फुरसत के किसी भी पल में देखने के लिए एकदम उपयुक्त हैं। आज जहां अधिकतर माइक्रो ड्रामा प्लेटफॉर्म सशुल्क हैं, वहीं फटाफट इस बाधा को हटाकर इस फॉर्मैट को भारत भर के लाखों दर्शकों तक पहुंचाता है। आज के मोबाइल फर्स्ट देखने की आदतों को ध्यान में रखते हुए फटाफट में रोमांस, ड्रामा, थ्रिलर और युवा केंद्रित कथाओं में, धारावाहिक माइक्रो-ड्रामाओं का, एक बढ़ता हुआ कैटलॉग है। एपिसोड छोटे, तेज रफ़्तार और बिंज करने योग्य हैं, जिससे दर्शक कहीं भी, कभी भी रोचक कहानियों में डूब सकते हैं। लॉन्च के उपलक्ष्य में Amazon MX Player ने मुनव्वर फारूकी को फीचर करता हुआ एक नया ब्रैन्ड कैम्पैन तैयार किया है। सरल और सहज पहचाने जाने वाले विचार पर आधारित यह कैम्पैन विनोदी ढंग से इस बात को उजागर करता है कि दर्शक माइक्रो ड्रामा ऐप्स पर जो छोटी-मोटी रकम खर्च करते हैं, उसे कहीं और बेहतर तरीके से इस्तेमाल किया जा सकता है। मजेदार दृश्यों के जरिए मुनव्वर इस विचार को जीवंत करते हैं कि अब दर्शकों को छोटे-छोटे मनोरंजन के लिए पैसे देने की जरूरत नहीं है Amazon MX Player का फटाफट निशुल्क है।

महाराष्ट्र और मॉरिशस के बीच मित्रता का रिश्ता पीढ़ियों पुराना है : रविंद्र चव्हाण

मुंबई। महाराष्ट्र और मॉरिशस के बीच मित्रता का रिश्ता पीढ़ियों से चला आ रहा है और सात समंदर पार रहने के बावजूद यहां के मराठी समाज ने अपनी सांस्कृतिक जड़ों को बड़े गर्व के साथ सहेजकर रखा है, ऐसे गौरवपूर्ण शब्द भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने मॉरिशस में व्यक्त किए। मॉरिशस के मोका में महाराष्ट्र भवन के विस्तारित भवन का भूमिपूजन समारोह हाल ही में रविंद्र चव्हाण की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुआ। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पहल पर इस भवन के विस्तार के लिए 8 करोड़ रुपये का निधि प्राप्त होने पर उपस्थित लोगों ने आभार व्यक्त किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने अपने दो दिवसीय मॉरिशस के दौरे के दौरान उच्चस्तरीय गणमान्य नेताओं से मुलाकात कर भारत-मॉरिशस संबंधों को और मजबूत किया। इस दौरे के दौरान उन्होंने मॉरिशस के राष्ट्रपति धरमबीर गोखुल से उनके आधिकारिक निवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात में भारत-मॉरिशस मित्रता, ब्ल्यू इकॉनॉमी, पर्यटन, एआई और साइबर सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। मॉरिशस भारत का छोटा भाई है, ऐसा कहते हुए राष्ट्रपति ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कार्यों की सराहना की। साथ ही भारत द्वारा दिए गए सहयोग के लिए उन्होंने आभार व्यक्त किया। इसके अलावा मॉरिशस के विदेश मंत्री धनंजय रामफुल, आईटी और इनोवेशन मंत्री डॉ. अविनाश रामतोहूल तथा कला एवं सांस्कृतिक मंत्री महेंद्र गोंदिया के साथ भी महत्वपूर्ण बैठकें हुईं। डॉ. रामतोहूल ने फर्ग्युसन कॉलेज में अपनी पढ़ाई के दिनों की यादें साझा करते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर लिखी अपनी पुस्तक भेंट की। महाराष्ट्र में राशनिंग व्यवस्था में जीपीएस तकनीक के माध्यम से लाई गई पारदर्शिता की उन्होंने विशेष सराहना की। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मॉरिशस को अफ्रीका के लिए एआई क्षेत्र का प्रवेशद्वार बनाने के लिए भारत का सहयोग आवश्यक है। इसके अलावा सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पुस्तकालय तथा जागरी नृत्य को यूनेस्को में नामांकन दिलाने जैसे विषयों पर भी सकारात्मक चर्चा हुई। इस दौरे का एक प्रमुख आकर्षण मोका में महाराष्ट्र भवन के विस्तारित भवन का शिलान्यास समारोह रहा। देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में 8 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस इमारत से वैश्विक स्तर पर मराठी अस्मिता और अधिक मजबूत होगी। इस भवन के सभागार को स्वातंत्र्यवीर सावरकर का नाम देने के प्रस्ताव को स्थानीय समाज ने उत्साहपूर्वक समर्थन दिया। इसके अलावा मॉरिशस मराठी मंडळी फेडरेशन द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम, महा गणेशोत्सव 2025 के तहत अनुदान वितरण तथा मॉरिशस में भारत के उच्चायुक्त अनुराग श्रीवास्तव के साथ बिहार फेस्टिवल में सहभाग जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से विदेश में भारतीय संस्कृति का प्रचार और सुदृढ़ हुआ। इन सभी घटनाओं से महाराष्ट्र-मॉरिशस संबंधों का एक नया अध्याय शुरू होने का विश्वास व्यक्त किया गया। मॉरिशस के सांसद अर्विन बाबाजी, मॉरिशस मराठी मंडळी फेडरेशन के मुख्य धर्मगुरु गुरुजी संताराम राजू, मॉरिशस मराठी मंडळी फेडरेशन के अध्यक्ष बलराज नारू, मॉरिशस मराठी कल्चरल सेंटर ट्रस्ट के अध्यक्ष धनीराव भिवाजी तथा मॉरिशस में स्थित मराठी स्पीकिंग यूनियन के अध्यक्ष भालचंद्र गोविंद सहित कई प्रमुख मराठी व्यक्तित्वों से रविंद्र चव्हाण ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की। साथ ही मेलरोझ श्री गजानन सरस्वती मंदिर, माँट रोचेस मराठी मित्र मंडळी, विठोबा रखुमाई मराठा मंदिर, डागोटियर मराठी शिव मंदिर, लेसपेरान्स मराठी गणोबा मंदिर, प्रोविडेंस मराठी मित्र मंडळ और पाल्मा मराठी सभा जैसी संस्थाओं को महाराष्ट्र सरकार के सांस्कृतिक विभाग की ओर से अनुदान के चेक भी प्रदान किए गए।

किआ इंडिया ने कैरेंस क्लैविस ईवी लाइन-अप का विस्तार किया

मुंबई। देश की प्रमुख मास-प्रीमियम कार निमार्ता कंपनियों में से एक, किआ इंडिया ने अपनी कैरेंस क्लैविस ईवी का मॉडल ईयर 2026 संस्करण पेश किया है। यह अपडेट मौजूदा 7-सीटर विकल्प के साथ-साथ अब दूसरी पंक्ति में कैप्टन सीटों वाली 6-सीटर कॉनफि गरेशन भी लेकर आया है। साथ ही, लाइनअप में नए ट्रिम्स और रिफ्रेश्ड डिजाइन पैक अपडेट्स भी शामिल किए गए हैं। ये सभी अपग्रेड मिलकर ग्राहकों की बदलती पसंद के अनुरूप, भारत में बने किआ के पहले इलेक्ट्रिक वाहन को और भी मजबूत बनाते हैं। भारत में ईवी इकोसिस्टम के विकसित होने के साथ ग्राहकों की अपेक्षाएँ अब सिर्फ रेंज और दक्षता तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि आराम, डिजाइन और प्रैक्टिकलिटी तक बढ़ गई हैं। इन्हें ध्यान में रखते हुए, किआ इंडिया ने कैरेंस क्लैविस ईवी के एक्सटेंडेड रेंज वैरिएंट में नए जीटी-लाइन और एक्स-लाइन ट्रिम्स लॉन्च किए हैं, जो 6-सीटर और 7-सीटर विकल्पों में उपलब्ध हैं और एसयूवी-प्रेरित स्टाइलिंग के साथ बेहतर विजुअल अपील देते हैं। नए जीटी-लाइन ट्रिम्स स्पोर्टी स्टाइलिंग के साथ आते हैं, जिनमें नए अलॉय व्हील्स, लाइम ब्रेक कैलिपर्स और मेटल पेडल्स शामिल हैं। वहीं एक्स-लाइन वैरिएंट ऑरोरा ब्लैक पर्ल और डार्क गन मेटल कलर के साथ रग्ड लुक देता है। MY26 लॉन्च पर किआ इंडिया के अतुल सूद ने कहा कि कैरेंस क्लैविस ईवी को रोजमर्रा के लिए व्यावहारिक इलेक्ट्रिक मोबिलिटी बनाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। नए ट्रिम्स और 6-सीटर विकल्प ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बेहतर कम्फर्ट, लचीलापन और प्रैक्टिकलिटी प्रदान करते हैं।

वसई-विरार में 385 करोड़ के सीवेज प्रोजेक्ट की बदहाल स्थिति पर गंभीर चिंता

वसई-विरार। वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (VVMC) के अंतर्गत बोलिंज क्षेत्र में स्थापित 30 MLD क्षमता वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्रोजेक्ट की अत्यंत खराब स्थिति और उसमें संभावित अनियमितताओं का मुद्दा हाल ही में जनरल असेंबली में जोरदार तरीके से उठाया गया। लीडर ऑफ अपोज़िशन मनोज पाटिल ने प्रशासन और सत्ताधारी पक्ष को आड़े हाथों लेते हुए बताया कि लगभग 385 करोड़ की लागत से निर्मित यह प्रोजेक्ट मात्र 9 वर्षों में ही जर्जर हो चुका है। उन्होंने कहा कि फ्छउ संरचना, जिसकी आयु कम से कम 50 वर्ष होनी चाहिए थी, उसमें बीम और पिलर तक गिरने की स्थिति बन गई है, जो गंभीर गुणवत्ता संबंधी खामियों की ओर संकेत करता है। उन्होंने आगे बताया कि प्रोजेक्ट की कुल क्षमता 30 टछऊ होने के बावजूद वर्तमान में केवल लगभग 8 MLD सीवेज ही प्रोसेस किया जा रहा है, जबकि शेष बिना उपचार के सीधे खाड़ी/समुद्र में छोड़ा जा रहा है। विशेष रूप से चिंताजनक बात यह है कि यह प्रोजेक्ट पिछले 25 दिनों से पूर्णतः बंद पड़ा है, जिससे पर्यावरण और नागरिकों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। पाटिल ने यह भी उजागर किया कि जहां प्रदूषण नियंत्रण मानकों के अनुसार प्रतिदिन लगभग 2 टन गीला कीचड़ निकलना चाहिए, वहां मात्र 5 किलोग्राम कीचड़ ही निकल रहा है, जो पूरे सिस्टम के केवल दिखावे के रूप में चलने की ओर संकेत करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण में निम्न गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग किया गया, जिसमें स्टेनलेस स्टील के स्थान पर माइल्ड स्टील का प्रयोग किया गया, जिससे संरचना समय से पहले क्षतिग्रस्त हो गई। प्रशासनिक लापरवाही के कारण नगर निगम को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से भारी जुमार्ना भरना पड़ रहा है, जिसका सीधा बोझ आम जनता पर पड़ रहा है। मनोज पाटिल ने जोरदार मांग की है कि मेयर अजीव पाटिल इस पूरे प्रकरण पर एक विस्तृत व्हाइट पेपर जारी करें तथा संबंधित कंसल्टेंट्स और ठेकेदारों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मात्र 2 करोड़ की राशि वापस करने से बचने के लिए जल्दबाजी में मरम्मत प्रस्ताव लाने के बजाय पूरे प्रोजेक्ट की निष्पक्ष और व्यापक जांच कराना अत्यंत आवश्यक है।

स्पोर्टवोट करेगा 73वीं महाराष्ट्र राज्य कबड्डी चैंपियनशिप 2026 का एक्सक्लूसिव लाइव प्रसारण

मुंबई। वैश्विक स्तर पर खेल मुकाबलों की लाइव स्ट्रीमिंग करने वाला प्लेटफॉर्म स्पोर्टवोट SportVot ने घोषणा की है कि वह 73वीं महाराष्ट्र राज्य कबड्डी चैंपियनशिप (सीनियर पुरुष एवं महिला) शिव छषक का एक्सक्लूसिव लाइव प्रसारण करेगा। यह टूनामेंट महाराष्ट्र स्टेट कबड्डी असोशिएशन द्वारा नाशिक डिस्ट्रिक कबड्डी असोशिएशन और सहयाद्रि युवा मंच के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। यह चैंपियनशिप 2 अप्रैल से 6 अप्रैल 2026 तक नमो क्रीडा नागरी में आयोजित होगी। इस प्रतियोगिता में महाराष्ट्र भर से शीर्ष पुरुष और महिला टीमें भाग लेंगी और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। महाराष्ट्र के सबसे प्रतिष्ठित राज्य स्तरीय कबड्डी टूनामेंट्स में से एक को डिजिटल दर्शकों तक पहुंचाते हुए, रस्त्रङ्ग१ ३श्ङ्ग३ जमीनी स्तर और घरेलू खेलों को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को लगातार मजबूत कर रहा है, जिससे देशभर के प्रशंसक उच्च गुणवत्ता वाले लाइव मुकाबलों का रोमांचक अनुभव कर सकें। यह चैंपियनशिप महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों की शीर्ष टीमों की भागीदारी के साथ आयोजित होगी, जिससे यह राज्य के कबड्डी खेल का एक महत्वपूर्ण आयोजन बनेगा । यह टूनामेंट उभरती प्रतिभाओं के लिए एक अहम मंच प्रदान करता है, साथ ही इसमें प्रो कबड्डी लीग के कुछ बड़े खिलाड़ी भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। इस टूनामेंट में जिन प्रमुख खिलाड़ियों पर सभी की नजरें रहेंगी, उनमें आकाश शिंदे (नासिक / बंगलुरु बुल्स),अजित चौहान (पुणे ग्रामीण / यू मुंबा), तेजस पाटिल (पुणे ग्रामीण / हरियाणा स्टीलेर्स), आदित्य शिंदे (अहमदनगर /पुनेरी पलटन) और दादासों पुजारी (कोल्हापुर / /पुनेरी पलटन) शामिल हैं। ये खिलाड़ी अपने अनुभव, स्टार पावर और प्रतिस्पर्धात्मक खेल के साथ इस चैंपियनशिप को और अधिक रोमांचक बनाएंगे। प्रतियोगिता के सभी मैचों का लाइव प्रसारण केवल स्पोर्टवोट ऐप पर किया जाएगा, जिससे प्रशंसक, खिलाड़ी और संबंधित सभी लोग कहीं से भी रियल-टाइम में मुकाबलों का आनंद ले सकेंगे। इस प्रतियोगिता की घोषणा करते हुए, स्पोर्टवोट के सीईओ एवं संस्थापक सिद्धान्त अग्रवाल ने कहा, महाराष्ट्र राज्य कबड्डी चैंपियनशिप जैसे राज्य स्तरीय टूनामेंट भारत के कबड्डी इकोसिस्टम की रीढ़ हैं। ये प्रतियोगिताएं जमीनी स्तर की बेहतरीन प्रतिभाओं और अनुभवी खिलाड़ियों को एक मंच पर लाती हैं। स्पोर्टवोट में हमारा ध्यान इस बात को सुनिश्चित करने पर है कि इन खिलाड़ियों को वह पहचान मिले जिसके वे हकदार हैं, साथ ही प्रशंसक खेल से और करीब से जुड़ सकें। हमें इस वर्ष की चैंपियनशिप को लाइव लाने और भारत में कबड्डी के निरंतर विकास में योगदान देने को लेकर उत्साह है।

एआई शोध में पीयू के छात्र को मिला अंतरराष्ट्रीय बेस्ट पेपर अवार्ड

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग के लिए गर्व का क्षण है। विभाग के एमटेक छात्र मो. मुज्तबा अख्तर ने दुबई में आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इंफॉर्मेशन सिस्टम डिजाइन एंड इंटेलिजेंट एप्लीकेशन 2026 में अपने शोधपत्र का प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण कर बेस्ट पेपर अवार्ड प्राप्त किया है। यह शोधकार्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्राकृतिक भाषा संसाधन के उन्नत प्रयोग पर आधारित है, जिसमें मैनिपुलेटेड (छेड़छाड़ की गई) स्पीच की पहचान करने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों का विकास किया जा रहा है। यह शोध न केवल तकनीकी दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि डिजिटल सुरक्षा और सूचना की विश्वसनीयता के क्षेत्र में भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। उक्त शोधकार्य कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा के कुशल निर्देशन में संपन्न हो रहा है, जिनके मार्गदर्शन में छात्र निरंतर नई ऊँचाइयों को प्राप्त कर रहे हैं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने भी मुज्तबा अख्तर को सम्मानित करते हुए उनके शोधकार्य की सराहना की और इसे विश्वविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियां विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और शोध संस्कृति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करती हैं। मो. मुज्तबा अख्तर की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल, आईक्यूएसी चेयरमैन प्रो. गिरिधर मिश्र, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद सिंह एवं डॉ. विक्रांत भटेजा ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

भीम पेमेंट्स ऐप ने बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन लॉन्च किया

पटना। एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड, जो कि नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, ने भीम पेमेंट्स ऐप पर यूपीआई भुगतान के लिए बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन फीचर लॉन्च करने की घोषणा की। यह नया फीचर यूजर्स को 5,000 रुपए तक के यूपीआई लेनदेन को फिंगरप्रिंट या फेस रिकग्निशन के माध्यम से मंजूरी देने की सुविधा देता है, जिससे रोजमर्रा के भुगतान तेज, आसान और अधिक सुरक्षित हो जाते हैं। यह सुविधा वर्तमान में उन आईओएस और एंड्रॉइड डिवाइस पर उपलब्ध है जो बायोमेट्रिक क्षमताओं को सपोर्ट करते हैं। इस फीचर के साथ, भीम यूजर्स को हर बार भुगतान के लिए यूपीआई पिन दर्ज करने की आवश्यकता नहीं होगी। यह उन स्थितियों में विशेष रूप से उपयोगी है जब यूजर्स पिन भूल जाते हैं या गलत दर्ज कर देते हैं, जिससे भुगतान विफल हो सकता है। यह सुविधा पैसे भेजने, मर्चेंट क्यूआर स्कैन करने और ऑनलाइन ट्रांजैक्शन जैसे सामान्य उपयोग के मामलों में भी लागू होगी, जिससे डिजिटल भुगतान का अनुभव और अधिक सहज और उपयोगकर्ता-अनुकूल बनता है। ललिता नटराज, एमडी एवं सीईओ, एनबीएसएल ने कहा, भीम पेमेंट्स ऐप का उद्देश्य हमेशा से डिजिटल भुगतान को हर भारतीय के लिए सरल, सुरक्षित और सुलभ बनाना रहा है।

मणिपाल हॉस्पिटल मुकुंदपुर में इंटीग्रेटेड एवं मल्टीडिसिप्लिनरी डीप ब्रेन स्टिमुलेशन क्लिनिक की शुरूआत

मुंबई/कोलकाता। भारत के प्रमुख स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं में से एक मणिपाल हॉस्पिटल्स ग्रुप की इकाई, मणिपाल हॉस्पिटल मुकुंदपुर ने अपने डीप ब्रेन स्टिमुलेशन (DBS) क्लिनिक के लॉन्च की घोषणा की है। यह भारत में अपनी तरह की पहली, रोग-विशिष्ट पहल है, जिसका उद्देश्य जटिल न्यूरोलॉजिकल और मूवमेंट डिसऑर्डर से पीड़ित मरीजों को सटीक एवं उन्नत उपचार प्रदान करना है। इस पहल में ग्रुप के अनुभवी न्यूरोलॉजिस्ट और न्यूरोसर्जन शामिल हैं। इस क्लिनिक का नेतृत्व डॉ. मिलिंद देओगांवकर, डायरेक्टर एवं सीनियर कंसल्टेंट झ न्यूरोसर्जरी, मणिपाल हॉस्पिटल मुकुंदपुर कर रहे हैं। यह पहल न्यूरो-रिस्टोरेशन और न्यूरोमॉड्यूलेशन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाती है और अस्पताल की व्यापक, तकनीक-आधारित एवं मरीज-केंद्रित न्यूरोसाइंस केयर के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। उनके साथ कोर टीम में डॉ. गौरव सन्यासी, कंसल्टेंट-फिजियाट्रिस्ट (रीहैबिलिटेशन मेडिसिन) भी शामिल हैं। इस लॉन्च कार्यक्रम में डॉ. श्रेयसी झा, कंसल्टेंट झ न्यूरोलॉजी (पार्किंसन रोग एवं मूवमेंट डिसऑर्डर), जो अस्पताल के मूवमेंट डिसऑर्डर क्लिनिक की प्रमुख सदस्य हैं, और श्रीमती शिवानी देशमुख, लीड न्यूरो फिजियोथेरेपिस्ट, भी उपस्थित रहीं। शिवानी देशमुख न्यूरो-रीहैबिलिटेशन क्लिनिक का नेतृत्व करेंगी, जिससे मणिपाल हॉस्पिटल मुकुंदपुर में एकीकृत न्यूरोसाइंस केयर सिस्टम और सशक्त होगा। DBS क्लिनिक मुकुंदपुर यूनिट से संचालित होगा, जहां हर सोमवार डीबीएस सेवाएं और हर शनिवार कॉम्प्लेक्स पेन क्लिनिक आयोजित किया जाएगा। मूवमेंट डिसऑर्डर क्लिनिक सभी दिनों में संचालित रहेगा, ताकि मरीजों को लगातार विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध हो सके। डॉ. श्रेयसी झा सोमवार और शनिवार को पूरे दिन क्लिनिक में उपलब्ध रहेंगी और आवश्यकता अनुसार DBS प्रक्रियाओं में भाग लेंगी। यह कार्यक्रम एक मल्टीडिसिप्लिनरी केयर मॉडल पर आधारित है, जिसमें न्यूरोलॉजिस्ट, न्यूरोसर्जन, पेन विशेषज्ञ, न्यूरो-रीहैबिलिटेशन विशेषज्ञ, इमरजेंसी चिकित्सक और प्रशिक्षित नर्सिंग टीम मिलकर समन्वित और व्यापक देखभाल प्रदान करेंगे। इसके साथ ही, श्रीमती शिवानी देशमुख के नेतृत्व में न्यूरो-रीहैबिलिटेशन क्लिनिक संरचित पुनर्वास सेवाएं प्रदान करेगा।

दान पेटिका चोरी का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना शाहगंज पुलिस को दान पेटिका चोरी के मामले में बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त को चोरी की दान पेटिका सहित गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत, अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह के नेतृत्व में थाना शाहगंज पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए अभियुक्त अभिषेक कुमार प्रजापति (निवासी करछा, थाना सरायमीर, जनपद आजमगढ़) को माल गोदाम के पास से गिरफ्तार किया। उसके पास से चोरी की गई दान पेटिका बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार, यह मामला पहले अज्ञात के खिलाफ दर्ज किया गया था, जिसकी विवेचना के दौरान आरोपी का नाम प्रकाश में आया। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर संबंधित धाराओं में वृद्धि करते हुए अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया गया है। अभियुक्त ने पूछताछ में चोरी की घटना स्वीकार की है। पुलिस के अनुसार, वह पहले भी चोरी के मामलों में जेल जा चुका है। आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी जौनपुर जनपद के विभिन्न थानों में चोरी से संबंधित मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि मामले में विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए आरोपी का चालान न्यायालय भेज दिया गया है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मासूम की मौत, परिवार में मचा कोहराम

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के धरौरा गांव में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 5 वर्षीय मासूम की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार धरौरा निवासी लखेंद्र बनवासी का पुत्र शनि बनवासी गांव के बगीचे में खेल रहा था। खेलते-खेलते वह हुरुहुरी गांव स्थित एसडी पब्लिक स्कूल के पास केराकत-जौनपुर मार्ग पर पहुंच गया। इसी दौरान जौनपुर की ओर जा रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही मासूम सड़क किनारे जा गिरा। घटना को देख आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए, लेकिन तब तक वाहन चालक वाहन समेत फरार हो चुका था। सूचना मिलते ही पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे और घायल बच्चे को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अज्ञात वाहन की तलाश में जुट गई है। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जाता है कि मृतक दो भाइयों और एक बहन में दूसरे नंबर पर था। गौरतलब है कि बीते रक्षाबंधन के दिन उसके बड़े भाई की भी पेड़ से गिरने से मौत हो चुकी है, जिससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

फायरिंग कर दहशत फैलाने वाला वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सुजानगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सुजानगंज पुलिस ने फायरिंग कर इलाके में दहशत फैलाने वाले एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस बरामद किया है। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत की गई। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के दिशा-निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी बदलापुर के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष सुजानगंज के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बाबूगंज बाजार में छापेमारी कर आरोपी को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान धनंजय सरोज पुत्र गोविंद सरोज उर्फ भैयाराम, निवासी सरायपड़री थाना सुजानगंज के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के पास से एक अदद तमंचा (.315 बोर) और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले से भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। वर्ष 2022 में भी उसके विरुद्ध गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। वर्तमान मामले में संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपी को न्यायालय भेज दिया गया है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक रामभवन यादव सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे, जिनकी सक्रियता से यह गिरफ्तारी संभव हो सकी।

'जीतो प्रीमियर लीग' 2026 की फ्रेंचाइजी नीलामी ने भारत में कम्युनिटी क्रिकेट के लिए एक नया बेंचमार्क स्थापित किया

मुंबई। 'जीतो प्रीमियर लीग' (जेपीएल) 2026 ने अपनी ऐतिहासिक फ्रेंचाइजी मालिकों की नीलामी सफलतापूर्वक संपन्न कर ली है, जो भारत में कम्युनिटी-आधारित क्रिकेट के विकास में एक निर्णायक क्षण है. इस अवसर पर बोलते हुए जेपीएल के चेयरमैन विक्की ओसवाल ने कहा कि यह नीलामी केवल टीमों का मालिक बनने के बारे में नहीं है, बल्कि यह कम्युनिटी क्रिकेट के भविष्य के लिए एक विजन बनाने के बारे में है. जिस जबरदस्त उत्साह और पैमाने पर फ्रेंचाइजी खरीदी गईं, वह इस बात को दर्शाता है कि हमारी कम्युनिटी का इस प्लेटफॉर्म पर कितना गहरा विश्वास है. जेपीएल यहां वास्तविक अवसर पैदा करने, प्रतिभाओं को निखारने और हमारे खिलाड़ियों को अगले स्तर तक ले जाने के लिए है. उन्होंने कहा कि नीलामी में जबरदस्त ऊर्जा, रणनीतिक बोली और पूरे देश भर से जैन बिजनेस लीडर्स एवं उद्यमियों की मजबूत भागीदारी देखने को मिली, जो बात सबसे अलग रही, वह केवल प्रतिस्पर्धी भावना ही नहीं, बल्कि एक ऐसे व्यापक आंदोलन का हिस्सा बनने की साझा प्रतिबद्धता थी, जो खेल, कम्युनिटी और अवसरों का एक अनूठा संगम है. भारत के इतिहास में पहली बार, एक कम्युनिटी-आधारित लीग ने पूर्ण पैमाने पर फ्रेंचाइजी नीलामी का आयोजन किया, जिसमें टीमों को असाधारण और अभूतपूर्व मूल्यों पर खरीदा गया. इस प्रकार इसने पूरे देश में इसी तरह की अन्य पहलों के लिए एक नया बेंचमार्क स्थापित किया है. कुल मिलाकर 12 फ्रेंचाइजी सफलतापूर्वक खरीदी गईं, जिनमें से प्रत्येक भारत के प्रमुख शहरों और क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करती हैं, अब प्रत्येक टीम पर प्रतिभाओं को विकसित करने और कम्युनिटी के भीतर खेल के इकोसिस्टम को मजबूत बनाने की जिम्मेदारी है.

इस नीलामी में कई जोरदार बोली के पल देखने को मिले, जिससे पता चलता है कि स्टेकहोल्डर्स को लीग के लंबे समय के विजन और असर पर कितना गहरा भरोसा है. इस पहल को जीतो एपेक्स के चेयरमैन पृथ्वीराज कोठारी के दूरदर्शी नेतृत्व से मार्गदर्शन मिला है, और इसे जीतो स्पोर्ट्स एंड जेपीएल के चेयरमैन विक्की ओसवाल के साहसी विजन और शानदार काम करने के तरीके से आगे बढ़ाया गया है, उनके प्रयासों ने ही इस पुराने सपने को हकीकत में बदलने में अहम भूमिका निभाई है. इस कार्यक्रम की शोभा जीतो के सम्मानित लीडर्स ने बढ़ाई, जिनमें विजय भंडारी (अध्यक्ष - एपेक्स), कमलेश सजोतिया (उपाध्यक्ष - एपेक्स), ललित डांगी (महासचिव - एपेक्स), संपत चापलोत (कोषाध्यक्ष - एपेक्स), जनेंद्र कुमार मुनोत (निदेशक प्रभारी - खेल), और भाविक सकारिया (मुख्य सचिव - खेल) शामिल थे।

शाही किले में जौनपुर महोत्सव का भव्य शुभारंभ, सामूहिक विवाह बना मुख्य आकर्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ऐतिहासिक शाही किला परिसर में तीन दिवसीय जौनपुर महोत्सव का भव्य शुभारंभ मंगलवार को हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मंत्री ए. के. शर्मा की उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार एवं पारंपरिक विधि-विधान के साथ किया गया, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रंग में सराबोर हो गया। महोत्सव के प्रथम दिन आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। जिला समाज कल्याण विभाग के अनुसार लगभग 623 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया, जिसमें विभिन्न समुदायों के जोड़ों ने भाग लिया। हिंदू रीति-रिवाज से विवाह के साथ-साथ मुस्लिम जोड़ों के लिए निकाह की भी विधिवत व्यवस्था की गई। इस अवसर पर राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव, विधायक डॉ. आर. के. पटेल, विधान परिषद सदस्य बृजेश सिंह प्रिंशू एवं नगर पालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्या सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। मंत्री ए. के. शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए सरकार की एक सराहनीय पहल है, जिसके तहत प्रत्येक जोड़े को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जिससे विवाह में आने वाली आर्थिक कठिनाइयों को दूर किया जा सके। वहीं, जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने बताया कि जौनपुर महोत्सव जनपद की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच है। महोत्सव के दौरान 24 से 26 मार्च तक विभिन्न सांस्कृतिक, सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों का मन मोह लिया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह, मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया सहित अन्य अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

अपोलो ने शुरू की रियल-टाइम ट्रैकिंग के लिए कंप्यूटर-एडेड डिस्पैच

नवी मुंबई। अपोलो हॉस्पिटल्स ने पेश किया है कंप्यूटर-एडेड डिस्पैच एक आधुनिक सिस्टम जिसे आपातकालीन सेवा को और भी सटीक और पारदर्शी बनाने के लिए तैयार किया गया है। अब किसी भी मेडिकल इमरजेंसी में बस 1066 डायल करते ही, आपके सबसे करीब मौजूद एम्बुलेंस तुरंत रवाना कर दी जाएगी। आज के दौर में जहाँ लोग अपने खाने और राशन की डिलीवरी पल-पल ट्रैक कर सकते हैं, ठीक उसी तरह की सुविधा और भरोसा अब अपोलो हॉस्पिटल्स आपातकालीन मेडिकल सेवाओं में भी ला रहा है। इस सेवा को वाकई क्रांतिकारी बनाती है, एम्बुलेंस की लाइव ट्रैकिंग। जैसे ही इमरजेंसी कॉल रजिस्टर होती है, यह सिस्टम तुरंत एम्बुलेंस की पहचान कर उसे रवाना करता है और उसकी पल-पल की जानकारी देता है। मुश्किल घड़ी में मरीज और उनके परिवार को यह सटीक जानकारी न केवल अपडेट रखती है, बल्कि उन्हें मानसिक सुकून भी देती है। कंप्यूटर-एडेड डिस्पैच में इंटेलिजेंट लोकेशन मैपिंग, ऑटोमेटेड एलोकेशन और केंद्रित तालमेल का उपयोग किया जाता है, ताकि एम्बुलेंस पहुंचने के समय को कम किया जा सके और कार्यक्षमता को बढ़ाया जा सके। यह सुनिश्चित करता है कि जरूरत के समय, जब हर एक सेकंड कीमती होता है, तब मरीज तक सही समय पर चिकित्सा सहायता पहुँच सके। इस पहल के साथ, अपोलो हॉस्पिटल्स अत्याधुनिक तकनीक के जरिए विश्व स्तरीय आपातकालीन सेवाएं प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत कर रहा है।